हिंदी

व्याकरण एवं रचना

3

With the blessings of :
Our Parents

हिंदी
व्याकरण एवं रचना
3

Copyright@Publishers

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced or transmitted in any form or by any means without prior permission in written. Any person who does any unauthorised act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Limits of liability and Disclaimer of Warranty:

The Author, Editor, Designer and the Publisher of this book have tried their best to ensure that all the texts are correct in all respect. However, the author and the publisher does not take any responsibility of any mistake, if happened. The correction of mistakes, if found will duly be done in the next edition.

MADE IN INDIA

Support Recycle

Save a Tree
Save the Earth

One Ton of this Paper Saves 17 trees

Max Retail Price: On Back Cover

Edited by:
Editone International Pvt. Ltd.

Based on:

- National Education Policy 2020
- NCF 2022
- Activity Based Format
- Innovative Approach
- Learning with fun
- Eco Friendly Paper

आमुख

भाषा को समझने हेतु व्याकरण एक मजबूत कड़ी है। बिना व्याकरण को समझे हम भाषा को सरल एवं स्पष्ट रूप से नहीं समझ सकते। इसी को ध्यान में रखते हुए 'हिंदी व्याकरण एवं रचना' (कक्षा 1 से 8) तैयार की गई है।

इस शृंखला में नई शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख मापदंडों का बड़ी सटीकता से पालन किया गया है। नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित इस पुस्तक में व्याकरण की प्रमुख इकाइयों को बड़े ही सरल, सहज एवं रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। इस शृंखला में व्याकरण को चित्रों के माध्यम से बड़े ही सहज भाव से तैयार किया गया है ताकि बच्चों को व्याकरण की जटिलता का तनिक भी आभास न हो।

पाठ के प्रस्तुतीकरण में शामिल 'पढ़िए और समझिए' के द्वारा बच्चों को चित्रों के माध्यम से संपूर्ण अध्याय को सरल एवं सहज रूप से समझाने का प्रयास किया गया है ताकि बच्चों का पाठ से जुड़ाव आसानी से हो सके। पाठ में शामिल 'अध्यापन संकेत' हमारा एक छोटा-सा प्रयत्न है जिसके माध्यम से शिक्षक/शिक्षिका बच्चों के सर्वांगीण विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

पाठ में शामिल 'आइए, पुनरावृति करें' के माध्यम से सीखे गए बिंदुओं को दोहराया गया है। अभ्यास कार्य के अंतर्गत शामिल 'मौखिक' और 'लेखन कार्य' के द्वारा बच्चों के श्रवण कौशल, बौद्धिक क्षमता और लेखन-शैली पर विशेष ध्यान दिया गया है। साथ ही, 'सोचें-विचारें' के द्वारा बच्चों की रचनात्मक, कार्यात्मक एवं तार्किक क्षमता को निखारने की कोशिश की गई है। 'खेल-खेल में' बच्चों की प्रतिभा को उभारने का संकल्प लिया गया है। साथ ही उनकी मानसिक योग्यता को बल प्रदान करने का प्रयत्न किया गया है। 'प्रेरणादायक मूल्य' को संपूर्ण शृंखला में शामिल करने का मूल उद्देश्य बच्चों में नैतिक गुणों को प्रभावी स्वरूप प्रदान करना है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि यह शृंखला बच्चों में भाषा को रचनात्मक स्वरूप प्रदान करेगी और उनके बौद्धिक व व्यवहार रूपी अधिगम क्षमता को बढ़ाएगी। आपके सुझावों की सदैव प्रतीक्षा रहेगी। शुभकामनाओं सहित.....

–प्रकाशक

पाठ्यपुस्तक का परिचय

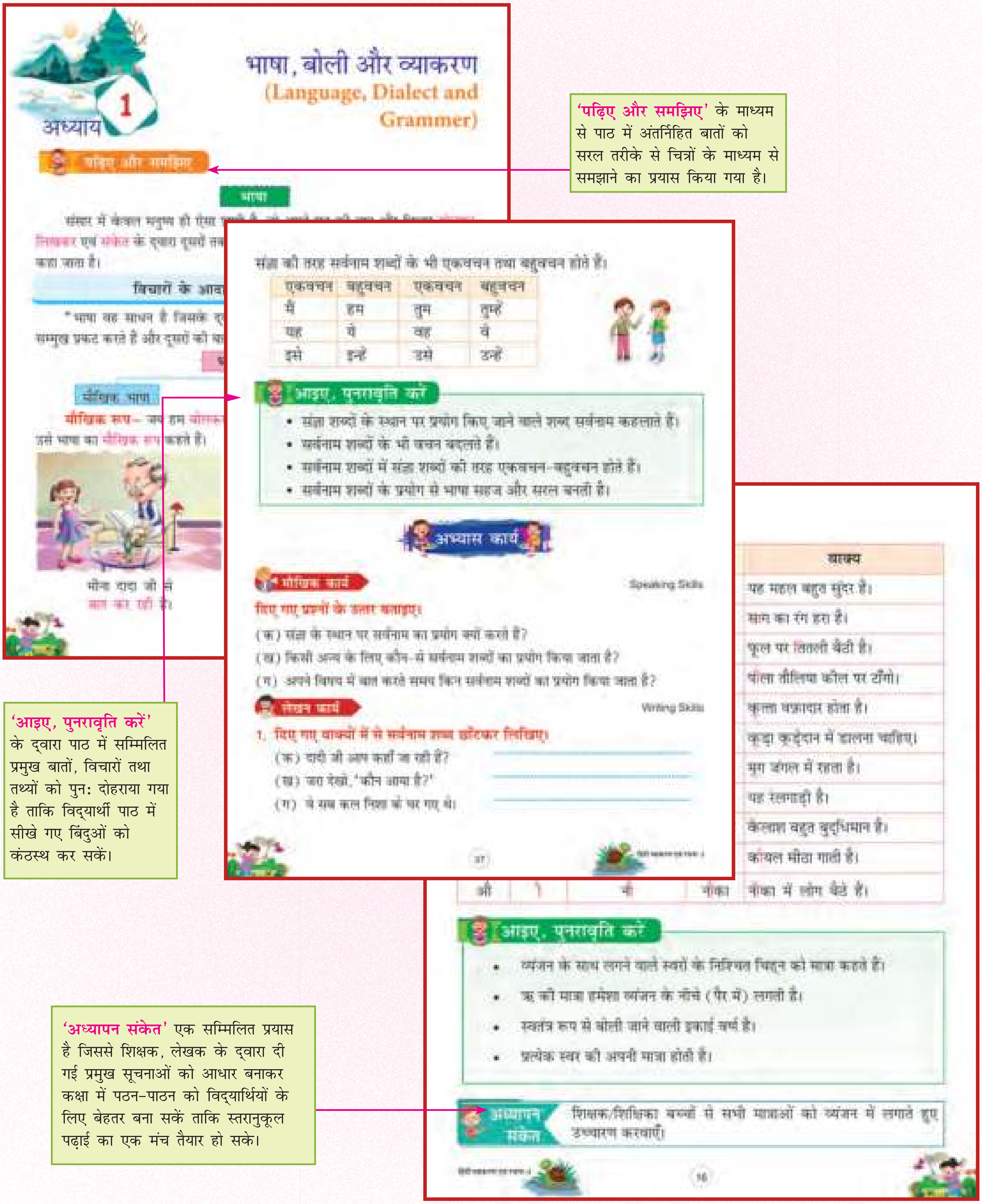

भाषा, बोली और व्याकरण (Language, Dialect and Grammer)

अध्याय 1

पढ़िए और समझिए

भाषा

मौखिक भाषा

मीना दादा जी से बात कर रही है।

संज्ञा की तरह सर्वनाम शब्दों के भी एकवचन तथा बहुवचन होते हैं।

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
मैं	हम	तुम	तुम्हें
यह	ये	वह	वे
इसे	इन्हें	उसे	उन्हें

आइए, पुनरावृत्ति करें

- संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
- सर्वनाम शब्दों के भी वचन बदलते हैं।
- सर्वनाम शब्दों में संज्ञा शब्दों की तरह एकवचन-बहुवचन होते हैं।
- सर्वनाम शब्दों के प्रयोग से भाषा सहज और सरल बनती है।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य — Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग क्यों करते हैं?

(ख) किसी अन्य के लिए कौन-से सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है?

(ग) अपने विषय में बात करते समय किन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है?

लेखन कार्य — Writing Skills

1. दिए गए वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए।

(क) दादी जी आप कहाँ जा रही हैं?

(ख) जरा देखो, "कौन आया है?"

(ग) वे सब कल निशा के घर गए थे।

37

वाक्य
यह महल बहुत सुंदर है।
घास का रंग हरा है।
फूल पर तितली बैठी है।
थैला तौलिया कील पर टाँगो।
कुत्ता वफ़ादार होता है।
कूड़ा कूड़ेदान में डालना चाहिए।
मृग जंगल में रहता है।
यह रेलगाड़ी है।
कैलाश बहुत बुद्धिमान है।
कोयल मीठा गाती है।
नौका में लोग बैठे हैं।

आइए, पुनरावृत्ति करें

- व्यंजन के साथ लगने वाले स्वरों के निश्चित चिह्न को मात्रा कहते हैं।
- ऋ की मात्रा हमेशा व्यंजन के नीचे (पैर में) लगती है।
- स्वतंत्र रूप से बोली जाने वाली इकाई वर्ण है।
- प्रत्येक स्वर की अपनी मात्रा होती है।

अध्यापन संकेत — शिक्षक/शिक्षिका बच्चों से सभी मात्राओं को व्यंजन में लगाते हुए उच्चारण करवाएँ।

16

'पढ़िए और समझिए' के माध्यम से पाठ में अंतर्निहित बातों को सरल तरीके से चित्रों के माध्यम से समझाने का प्रयास किया गया है।

'आइए, पुनरावृति करें' के द्वारा पाठ में सम्मिलित प्रमुख बातों, विचारों तथा तथ्यों को पुनः दोहराया गया है ताकि विद्यार्थी पाठ में सीखे गए बिंदुओं को कंठस्थ कर सकें।

'अध्यापन संकेत' एक सम्मिलित प्रयास है जिससे शिक्षक, लेखक के द्वारा दी गई प्रमुख सूचनाओं को आधार बनाकर कक्षा में पठन-पाठन को विद्यार्थियों के लिए बेहतर बना सकें ताकि स्तरानुकूल पढ़ाई का एक मंच तैयार हो सके।

‘अभ्यास कार्य’ के अंतर्गत शामिल प्रश्नों के महत्वपूर्ण समुच्चय के द्वारा विद्यार्थियों में महत्वपूर्ण कौशलों के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता को भी प्रभावी रूप देने का प्रयास किया गया है।

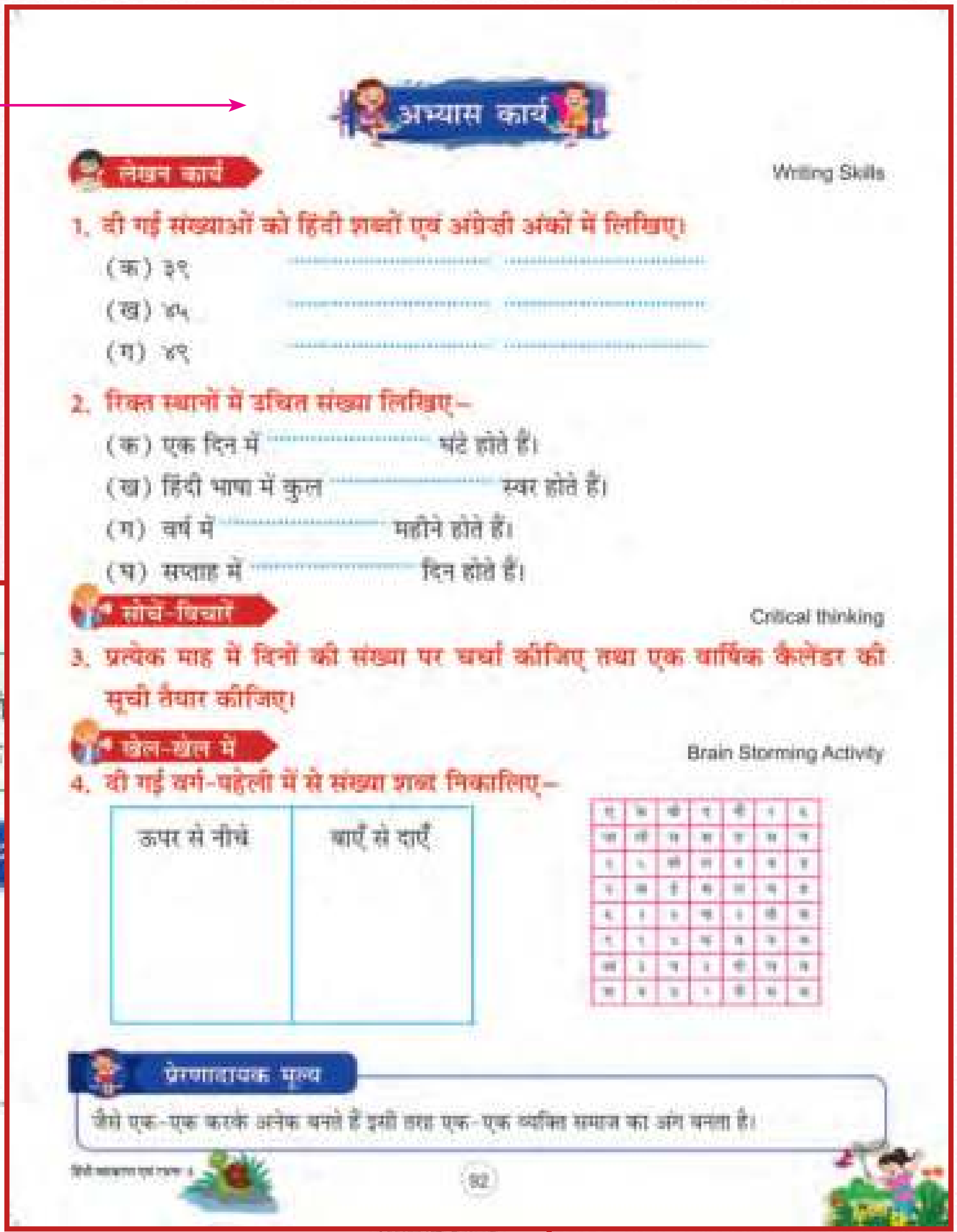

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य — Writing Skills

1. दी गई संख्याओं को हिंदी शब्दों एवं अंग्रेज़ी अंकों में लिखिए।
   (क) ३९ ....
   (ख) ४५ ....
   (ग) ४९ ....

2. रिक्त स्थानों में उचित संख्या लिखिए–
   (क) एक दिन में .... घंटे होते हैं।
   (ख) हिंदी भाषा में कुल .... स्वर होते हैं।
   (ग) वर्ष में .... महीने होते हैं।
   (घ) सप्ताह में .... दिन होते हैं।

सोचें-विचारें — Critical thinking

3. प्रत्येक माह में दिनों की संख्या पर चर्चा कीजिए तथा एक वार्षिक कैलेंडर की सूची तैयार कीजिए।

खेल-खेल में — Brain Storming Activity

4. दी गई वर्ग-पहेली में से संख्या शब्द निकालिए–

ऊपर से नीचे	बाएँ से दाएँ

प्रेरणादायक मूल्य

जैसे एक-एक करके अनेक बनते हैं इसी तरह एक-एक व्यक्ति समाज का अंग बनता है।

आइए, पुनरावृति करें

- कम शब्दों में अपने भावों, विचारों
- पत्र के दो प्रकार हैं- औपचारिक

मौखिक कार्य

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) पत्र लेखन से आप क्या समझते हैं?

(ख) प्राचीन युग से आधुनिक युग में पत्र-

(ग) पत्र कितनी तरह के होते हैं?

लेखन कार्य

दिए गए विषयों पर पत्र लिखिए।

(क) पिता जी को अपना परीक्षाफल बताते हुए पत्र लिखिए।

(ख) प्रधानाचार्या को स्कूल छोड़ने हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए।

(ग) दादा जी को जन्मदिन की मुबारकबाद देने हेतु पत्र लिखिए।

(घ) अंतर सदनीय-अंताक्षरी प्रतियोगिता आयोजित करने की अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

प्रेरणादायक मूल्य

संबंधों में मधुरता लाना अच्छे व्यक्तित्व का परिचायक है।

‘प्रेरणादायक मूल्य’ के द्वारा बच्चों में नैतिक गुणों के प्रसार का प्रयास किया गया है ताकि बच्चे उन मूल्यों को अपनाकर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।

अनुक्रमणिका

क्रम. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा, बोली और व्याकरण (Language, Dialect and Grammar)	7
2.	वर्णमाला और मात्राएँ (Alphabet and Symbols of Vowles)	13
3.	शब्द और वाक्य (Words and Sentences)	19
4.	संज्ञा (Noun)	23
5.	लिंग (Gender)	27
6.	वचन (Number)	31
7.	सर्वनाम (Pronoun)	35
8.	विशेषण (Adjective)	39
9.	क्रिया एवं काल (Verb and Tense)	43
10.	पर्यायवाची शब्द (Synonyms)	47
11.	विलोम शब्द (Antonyms)	51
12.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitutions)	55
13.	मुहावरे (Idioms)	59
14.	अशुद्धि-शोधन (Error Correction)	64
15.	विराम-चिह्न (Punctuation Marks)	68
16.	संवाद-लेखन (Dialogue Writing)	72
17.	पत्र-लेखन (Letter Writing)	75
18.	चित्र-वर्णन (Picture Description)	80
19.	कहानी-लेखन (Story Writing)	82
20.	अनुच्छेद-लेखन (Paragraph Writing)	86
21.	अपठित गद्यांश (Unseen Passage)	88
22.	गिनती 21 से 50 तक (Counting)	91
	स्वमूल्यांकन पत्र-1	**93**
	स्वमूल्यांकन पत्र-2	**95**

अध्याय 1

भाषा, बोली और व्याकरण
(Language, Dialect and Grammar)

पढ़िए और समझिए

भाषा

संसार में केवल मनुष्य ही ऐसा प्राणी है, जो अपने मन की बात और विचार बोलकर, लिखकर एवं संकेत के द्वारा दूसरों तक पहुँचा सकते हैं। मनुष्य की इस क्रिया को ही 'भाषा' कहा जाता है।

विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम भाषा है।

"भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने मन के भावों, विचारों को दूसरों के सम्मुख प्रकट करते हैं और दूसरों की बातों को समझते हैं।"

भाषा के रूप

- मौखिक भाषा
- लिखित भाषा

मौखिक रूप– जब हम बोलकर या सुनकर अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, उसे भाषा का मौखिक रूप कहते हैं।

मीना दादा जी से बात कर रही है।

शिक्षिका बोल रही है, बच्चे सुन रहे हैं।

लिखित रूप– जब हम लिखकर या पढ़कर आपस में विचारों का आदान–प्रदान करते हैं, वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

समाचार दादी जी पढ़कर बच्चों को समझा रही हैं।

लेखक कहानी लिख रहा है।

अतः भाषा के रूपों के आधार पर इसके चार कौशल हैं– बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना।

- जब भाषा को इशारों या संकेतों द्वारा समझाया जाता है। वह भाषा का सांकेतिक रूप होता है; जैसे– ट्रैफिक पुलिस वाला इशारे से यातायात का नियंत्रण करता है।

- माँ इशारे से बच्चे को बुलाती हैं।

बच्चा भाषा का मौखिक रूप सर्वप्रथम अपने परिवार से सीखता है परंतु लिखित रूप सीखने के लिए विद्यालय जाता है।

संसार में बहुत–सी भाषा प्रत्येक स्थान पर बोली व समझी जाती हैं। परंतु हर राज्य एवं देश की अपनी अलग भाषा भी होती है; जैसे–

राज्य	भाषा
उत्तर प्रदेश	हिंदी
कर्नाटक	कन्नड़
असम	असमिया
पंजाब	पंजाबी

राज्य	भाषा
बंगाल	बंगाली
कश्मीर	कश्मीरी
केरल	मलयालम
महाराष्ट्र	मराठी

- हमारे देश की राजभाषा हिंदी है।
- 14 सितंबर हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- पूरे विश्व में लगभग 6500 भाषाएँ बोली जाती हैं।

बोली

बच्चो, ऊपर बने चित्रों को ध्यानपूर्वक देखिए–

कुछ बच्चे झूला झूलते हुए बातचीत कर रहे हैं। पेड़ पर चिड़िया और तोता कुछ कह–सुन रहे हैं।

कुत्ता भौं–भौं कर रहा है। पक्षी दाना चुग रहे हैं।

सभी पशु–पक्षी अपनी बोली के द्वारा अपने भावों को प्रकट करते हैं। यद्यपि वे किसी विषय पर अपने विचार व्यक्त नहीं कर सकते, न ही मनुष्य की भाँति आपस में विचारों का आदान–प्रदान भाषा के रूप में कर सकते हैं। परंतु पशु–पक्षी निश्चित ही ध्वनि निकाल सकते हैं; जैसे–

कौआ सदा काँव–काँव ही करता है। मोर हमेशा पियाओ–मियाओ ही करता है।

पशु–पक्षी सदा ध्वनियों के माध्यम से ही अपनी बातों को समझते–समझाते हैं, जिन्हें हम बोली कहते हैं।

कुछ विशिष्ट पशु–पक्षियों की बोलियाँ–

चिड़िया – चीं–चीं 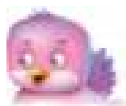 गधा – ढेंचूँ–ढेंचूँ 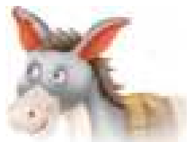

कौआ – काँव–काँव बंदर – खीं–खीं

व्याकरण

प्राचीन काल में मनुष्य के पास मौखिक और लिखित दोनों प्रकार की भाषाएँ तो उपलब्ध हो गईं, परंतु इनका प्रयोग करते समय अनेक प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ता था, बहुत–सी गलतियाँ भी हो जाती थीं। ये गलतियाँ न हों, इसके लिए कुछ नियम बनाए गए और इन नियमों व इनके प्रयोग के तरीके को व्याकरण कहा गया अर्थात्–

व्याकरण के माध्यम से ही भाषा को शुद्ध रूप में बोला, पढ़ा व लिखा जाना संभव है।

लिपि

जिस प्रकार प्रत्येक राज्य की अलग–अलग भाषा होती है, उसी प्रकार अलग–अलग भाषा की अलग–अलग लिपि होती है; जैसे–

भाषा	लिपि
हिंदी, संस्कृत, गुजराती, मराठी, नेपाली	देवनागरी
अंग्रेज़ी	रोमन
उर्दू	फारसी
पंजाबी	गुरुमुखी
बांग्ला	बांग्ला

भाषा को लिखित रूप देने के लिए हम अलग–अलग चिह्नों का प्रयोग करते है, इन चिह्नों को लिपि कहते हैं।

प्रमुख भारतीय भाषाओं की प्रमुख लिपियाँ भारतीय रुपए पर देखी जा सकती हैं।

आइए, पुनरावृति करें

- भाषा के दो रूप हैं– मौखिक एवं लिखित।
- जब बोलकर अपने विचार व्यक्त करते हैं, तो उसे मौखिक भाषा कहते हैं।
- लिखकर व्यक्त किया गया तरीका भाषा का लिखित रूप होता है।
- भाषा लिखने के लिए निर्धारित चिह्न लिपि कहलाते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों से उनके घर में बोली जाने वाली मातृभाषा के बारे में पूछें और उन्हें बातचीत करने के लिए प्रेरित करें।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य
Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) भाषा कितने तरह की होती है?

(ख) लिखने, पढ़ने के लिए चिह्नों का प्रयोग क्यों किया जाता है?

(ग) पत्र लिखना भाषा का कौन सा रूप है?

लेखन कार्य
Writing Skills

1. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) अंग्रेज़ी भाषा की लिपि है?

☐ रोमन ☐ गुरुमुखी ☐ देवनागरी ☐ फारसी

(ख) तमिलनाडु में बोली जाने वाली भाषा है।

☐ मराठी ☐ तमिल ☐ मलयालम ☐ तेलुगू

2. दिए गए वाक्यों में उचित शब्द भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

14 सितंबर सांकेतिक हिंदी मौखिक

(क) बोलकर भावों को व्यक्त करना भाषा का .... रूप होता है।

(ख) हर वर्ष .... को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

(ग) भाषा में पढ़ा नहीं जाने वाला .... रूप कहलाता है।

(घ) हमारी राष्ट्र भाषा .... है।

3. **चित्रों में व्यक्तियों की पोशाक देखकर उनकी मातृभाषा लिखिए।**

....

4. **दिए गए वाक्यों को पढ़कर (✓) और (×) का निशान लगाइए।**

(क) भाषा का मौखिक रूप पत्र लिखना है। ☐

(ख) इशारों को भाषा का मौखिक रूप कहते हैं। ☐

(ग) अंग्रेज़ी भाषा की लिपि अंग्रेज़ी है। ☐

सोचें-विचारें Critical thinking

5. **सही मिलान कीजिए।**

(क) गुजरात	(i) बंगाली
(ख) पत्र पढ़ना	(ii) असमिया
(ग) बंगाल	(iii) गुजराती
(घ) 14 सितंबर	(iv) हिंदी दिवस
(ङ) असम	(v) मौखिक

खेल-खेल में Brain Storming Activity

6. **यातायात संकेतों को दर्शाते हुए दिए गए चित्र में रंग भरिए और उनके रंगों के अनुसार संकेत लिखिए।**

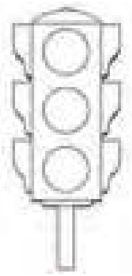

....

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

जिस प्रकार व्यंजनों को पूर्ण करने के लिए स्वर अपना मूल रूप छोड़ देते है, ठीक उसी प्रकार हमें भी दूसरों के हित के लिए त्याग करने में संकोच नहीं करना चाहिए ।

अध्याय 2

वर्णमाला और मात्राएँ
(Alphabets and Symbols of Vowel)

पढ़िए और समझिए

1. वर्ण एवं वर्णमाला

जो आवाज़ें हम सुनते हैं, उन्हें ध्वनियाँ कहते हैं। वे ध्वनियाँ जिनके और टुकड़े नहीं किए किए जा सकते, उन्हें वर्ण कहा जाता है।

उपर्युक्त चित्रों में कोयल और बिल्ली दोनों अपनी-अपनी बात कहना चाहते हैं और इसके लिए इनके मुख से कुछ ध्वनियाँ निकल रही हैं।

हम जो कुछ भी बोलते या सुनते हैं, वे सब ध्वनियाँ ही 'वर्ण' कहलाती हैं । वर्ण ही भाषा की सबसे छोटी इकाई होते हैं; जैसे–

केला – क् + ए + ल् + आ

चूहा – च् + ऊ + ह् + आ

ऐसी ध्वनियाँ जिन्हें तोड़ा न जा सके, उसे 'वर्ण' या 'अक्षर' कहते हैं।

वर्णों के भेद

- स्वर
- व्यंजन

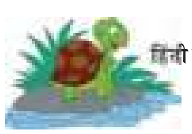

स्वर

जिन वर्णों को बोलने में किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं ली जाती है, उन्हें स्वर कहते हैं। हिंदी में स्वरों की संख्या 11 है–

अ आ इ ई
उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ
अं अः

(अं, अः) — अयोगवाह

व्यंजन

जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से होता हैं, वे वर्ण 'व्यंजन' कहलाते हैं। हिंदी में व्यंजनों की संख्या 33 है–

क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग	त	थ	द	ध	न
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म
अंत:स्थ	य	र	ल	व	
ऊष्म	श	ष	स	ह	

हिंदी की नई ध्वनियाँ आगत व्यंजन — ड़ ढ़ ज़ फ़

संयुक्त व्यंजन

कुछ व्यंजन दो व्यंजनों के मेल से बनते हैं, उन्हें संयुक्त व्यंजन कहते हैं। ये हैं– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।

जैसे– परीक्षा – क्ष = क् + ष
इत्र – त्र = त् + र
ज्ञानी – ज्ञ = ज् + ञ
श्रम – श्र = श् + र

आगत व्यंजन – (ज़) (फ़) (अरबी, फारसी भाषाओं की ध्वनियाँ जिन्हें हिंदी भाषा में शामिल किया गया है)

इनको शुद्ध रूप में लिखने के लिए व्यंजनों के नीचे एक बिंदु लगाया जाता है जिसे नुक्ता कहते हैं।

हिंदी की नई ध्वनियाँ– (ड़) (ढ़) (ये हमेशा शब्द के बीच में या अंत में आते हैं।)

वर्णमाला

जब भाषा के सभी वर्ण एक निश्चित क्रम में लिखे जाते हैं तो वर्णमाला बनती है।

वर्णों का क्रमबद्ध रूप वर्णमाला कहलाता है।

विशेष तथ्य

- बिना स्वर के व्यंजन हलंत चिह्न (्) लगाकर लिखे जाते हैं।
- क, ख, ग, घ आदि सभी व्यंजनों में 'अ' स्वर लगा होता है; जैसे– क् + अ = क
- ड़ और ढ़ व्यंजनों का प्रयोग शब्द के अंत में होता है; जैसे– पेड़, सीढ़ी आदि।

प्रात:काल उठना अच्छी आदत है।

आँख हमारे शरीर का संवेदी अंग है।

अंगूर टोकरी में रखे हैं।

हमने प्रात:काल, अंगूर और आँख शब्दों में क्रमश: (:) (ँ) एवं (ं) के चिह्न लगे देखे, ये चिह्न विसर्ग, अनुस्वार और अनुनासिक कहलाते हैं।

मात्राएँ

सार्थक शब्द बनाने के लिए जब हम चिह्नों का प्रयोग करते है तो उन्हें मात्राएँ कहते हैं। इसलिए व्यंजन के साथ स्वर न लिखकर स्वरों की मात्रा लगाई जाती है।

प्रत्येक स्वर की अपनी मात्रा होती है, परंतु 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती।

स्वर और व्यंजन का मेल

स्वर	मात्रा	मात्रायुक्त व्यंजन	शब्द	वाक्य
अ	–	ह	महल	यह महल बहुत सुंदर है।
आ	ा	सा	साग	साग का रंग हरा है।
इ	ि	ति	तितली	फूल पर तितली बैठी है।
ई	ी	पी	पीला	पीला तौलिया कील पर टाँगो।
उ	ु	कु	कुत्ता	कुत्ता वफ़ादार होता है।
ऊ	ू	कू	कूड़ा	कूड़ा कूड़ेदान में डालना चाहिए।
ऋ	ृ	मृ	मृग	मृग जंगल में रहता है।
ए	े	रे	रेल	यह रेलगाड़ी है।
ऐ	ै	कै	कैलाश	कैलाश बहुत बुद्धिमान है।
ओ	ो	को	कोयल	कोयल मीठा गाती है।
औ	ौ	नौ	नौका	नौका में लोग बैठे हैं।

आइए, पुनरावृति करें

- व्यंजन के साथ लगने वाले स्वरों के निश्चित चिह्न को मात्रा कहते हैं।
- ऋ की मात्रा हमेशा व्यंजन के नीचे (पैर में) लगती है।
- स्वतंत्र रूप से बोली जाने वाली इकाई वर्ण है।
- प्रत्येक स्वर की अपनी मात्रा होती है।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों से सभी मात्राओं को व्यंजन में लगाते हुए उच्चारण करवाएँ।

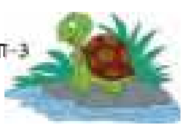

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य
Speaking Skills

(क) स्वरों के निश्चित समूह को क्या कहते हैं?

(ख) वर्णमाला में कितने स्वर होते हैं?

(ग) मृग शब्द में कौन-से स्वर की मात्रा लगाई जाती है?

(घ) उस स्वर को बताइए जिसकी मात्रा व्यंजन के आगे लगती है?

लेखन कार्य
Writing Skills

1. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) स्वरों की संख्या है-

☐ 8 ☐ 11 ☐ 7 ☐ 14

(ख) इनमें से व्यंजन है-

☐ ऋ ☐ ल ☐ इ ☐ ओ

(ग) 'हिरन' शब्द में कौन-सा स्वर है?

☐ इ ☐ ओ ☐ ई ☐ उ

(घ) 'कृषक' शब्द में कौन सी-मात्रा लगेगी?

☐ (ँ) ☐ (ं) ☐ (ृ) ☐ (ि)

2. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

वर्ण	चार	वर्णमाला	ग्यारह	स्वरों

(क) भाषा की सबसे छोटी इकाई .... है।

(ख) हिंदी भाषा में संयुक्त व्यंजन की संख्या .... है।

(ग) वर्णों के निश्चित क्रम को .... कहते हैं।

(घ) मात्राएँ .... का चिह्न रूप हैं।

(ङ) स्वरों की संख्या .... है।

3. **दिए गए शब्दों में अनुस्वार (ं) या अनुनासिक (ँ) लगाकर उचित शब्द बनाइए और सही बॉक्स में लिखिए।**

अगूर	चाद	मदिर	पाच	चचल	आख	कघा	कुआ	पप	चदन
माद	कठ	पद्रह	गगा	मच	कगन	जाच	साप	पख	

अनुस्वार		अनुनासिक	
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

सोचें-विचारें

Critical thinking

4. **सही मिलान कीजिए।**

(क) ओ — (i) ी

(ख) ई — (ii) ु

(ग) उ — (iii) ृ

(घ) ऋ — (iv) ो

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

5. **दिए गए प्रश्न संकेतों के आधार पर शब्दों की रचना कीजिए।**

(क) ऋ की मात्रा (ृ) वाले शब्दों को लिखिए ।

....

(ख) अनुस्वार (ं) लगाकर उचित शब्द बनाइए–

पख हस रग तग जग

(ग) 'ड़' व्यंजन लगाते हुए दो शब्द बनाइए।

जैसे– 'सड़क' ....

प्रेरणादायक मूल्य

Inspirational Value

जिस तरह अलग-अलग वर्ण मिलकर वर्णमाला का निर्माण करते हैं। उसी तरह हमें अनेकता में एकता लाकर एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

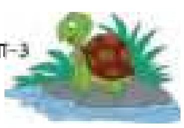

अध्याय 3

शब्द और वाक्य
(Word and Sentence)

पढ़िए और समझिए

उपर्युक्त चित्र के साथ लिखे वाक्य पढ़िए। इनमें तुम, पुस्तक, बाज़ार आदि शब्द आए हैं, इन्हें पढ़िए और इनकी ध्वनियों को समझने की कोशिश कीजिए।

बाज़ार – ब् + आ + ज् + आ + र् + अ

पुस्तक – प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ

तुम – त् + उ + म् + अ

हमने देखा कि ये ध्वनियाँ या वर्ण आपस में मिलकर शब्द बन गए हैं।

अत: ध्वनियों या वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं, परंतु केवल वर्णों के मिलाने से शब्द नहीं बनते अर्थात् शब्द बनाने के लिए वर्णों का निश्चित क्रम में जुड़ना और उनका अर्थ निकलना आवश्यक है।

जैसे– 'गुलाब' शब्द सुनते ही मस्तिष्क में चित्र उभरता है परंतु यदि हम 'बुलाग' कहें तो कोई अर्थ नहीं निकलता ।

इसी प्रकार मेला और लामे

वर्णों के सार्थक मेल से ही शब्द का निर्माण होता है।

कुछ अन्य शब्द देखें

हाथी
ह्+आ+थ+ई
(हाथी)

केला
क् + ए + ल + आ
(केला)

शब्द के भेद – Kinds of Words

मुख्य रूप से शब्द के दो भेद होते हैं–

शब्द
- सार्थक
- निरर्थक

सार्थक शब्द– ऐसे शब्द जिनका कोई सार्थक अर्थ निकलता हो, सार्थक शब्द कहलाते हैं; जैसे– मोटा, दिल्ली, रोटी, चावल आदि।

निरर्थक शब्द– ऐसे शब्द जिनका कोई निश्चित अर्थ नहीं निकलता हो, उन्हें निरर्थक शब्द कहते हैं; जैसे– वोटा, विल्ली, वखनऊ, वावल आदि।

वाक्य – Sentence

शब्दों को मिलाकर वाक्य बनते हैं। वाक्य भी सार्थक शब्दों के समूह से बनते हैं। अत:

शब्दों के सार्थक समूह से जब कोई अर्थ निकलता है, तो उसे 'वाक्य' कहते हैं।

बच्चे पतंग उड़ा रहे हैं।
बच्चे + पतंग + उड़ा + रहे + हैं।
(पाँच शब्दों का समूह)

हम गेंद से खेल रहे हैं।
हम + गेंद + से + खेल + रहे + हैं।
(छह शब्दों का समूह)

वाक्य

उद्देश्य | विधेय

वाक्य के दो मुख्य भाग होते हैं– उद्देश्य और विधेय; जैसे– वैभव पुस्तक पढ़ रहा है। इस वाक्य में वैभव 'उद्देश्य' है और बाकी बचा वाक्यांश 'विधेय' है।

आइए, पुनरावृति करें

- दो या दो से अधिक वर्णों को मिलाकर शब्द बनते हैं।
- सार्थक और निरर्थक शब्द के दो भेद होते हैं।
- शब्दों के सार्थक मेल से वाक्य का निर्माण होता है।
- वाक्य के दो भाग होते हैं– 1. उद्देश्य तथा 2. विधेय।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को शब्दों का सही उच्चारण करना सिखाएँ तथा वाक्य निर्माण का अभ्यास कराएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य
Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) शब्द किसे कहते हैं?

(ख) शब्द कैसे बनते हैं?

(ग) वाक्य की रचना कैसे होती है?

(घ) उद्देश्य और विधेय किसके भेद हैं?

लेखन कार्य
Writing Skills

1. वर्णों को निश्चित रूप देकर सार्थक शब्द बनाइए।

(क) र हि न .... (ख) न ऐ क .... (ग) र बं द ....

(घ) ड़ि गु या .... (ङ) प या रू .... (च) री ब क ....

2. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

निरर्थक नहीं वाक्य उद्देश्य सार्थक

(क) शब्दों का .... समूह .... कहलाता है।

(ख) वर्णों का .... समूह निरर्थक शब्द कहलाता है।

(ग) वाक्य में जिसके विषय में बात की जाए, उसे .... कहते हैं।

(घ) 'मैं जाऊँगा आज बाज़ार' यह एक वाक्य .... है।

3. वाक्यों को सही करके लिखिए।

(क) छुट्टी है रविवार के दिन होती ....

(ख) रोज़ जाता हूँ मैं विद्यालय ....

(ग) बोलना हमें सदा चाहिए सच ....

(घ) रंग साँवला है मेरा ....

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए।

(क) कपड़े – ....

(ख) नानी – ....

(ग) फल – ....

(घ) बस्ता – ....

सोचें-विचारें Critical thinking

5. अपनी कक्षा में मूक अभिनय द्वारा शब्द संकेतों का खेल-खेलिए।

खेल-खेल में Brain Storming Activity

6. अपने परिवार पर पाँच वाक्य लिखिए।

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

प्रेरणादायक मूल्य

शब्दों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। मधुर शब्द मन को प्रसन्नता और कटु शब्द मन को पीड़ा देते हैं अतः तोलो, मोलो, तब बोलो।

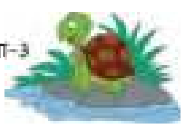

अध्याय 4

संज्ञा
(Noun)

पढ़िए और समझिए

संसार में प्रत्येक वस्तु, व्यक्ति और स्थान के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं। इन्हीं नामों से हम एक-दूसरे को पुकारने का काम भी करते हैं। अत: हम कह सकते हैं कि–

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा भाव का नाम संज्ञा कहलाता है।

उपर्युक्त चित्र में हमने देखा–

कुछ व्यक्ति (स्त्री/पुरुष), कुछ वस्तुएँ (बैंच, पेड़, झूले) स्थान (पार्क) और भाव (सुंदरता) आदि।

तात्पर्य यह है कि हमारे आस-पास की प्रत्येक वस्तु जिसे हम देख पा रहे हैं अथवा महसूस कर पा रहे हैं, सभी संज्ञा कहलाती हैं।

संज्ञा के भेद

व्यक्तिवाचक | जातिवाचक | भाववाचक

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा–** जिस शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध हो, वे शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे–

ताजमहल

महेंद्र सिंह धोनी

बरगद

विशेष– व्यक्तियों के नाम, स्थानों के नाम, खेलों के नाम, त्योहारों के नाम, दिनों व महीनों के नाम आदि व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।

2. **जातिवाचक संज्ञा–** जिस संज्ञा शब्द से पूरी जाति का बोध होता है, वे जातिवाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं; जैसे–

हाथी

लड़का

मेला

सैनिक

कुछ अन्य उदाहरण– मोर, साँप, पहाड़, अध्यापक, लड़की, खिलौना, माता–पिता आदि।

3. **भाववाचक संज्ञा–** भावों की अभिव्यक्ति करने वाले शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे–

बचपन

सर्दी

खुशी

कुछ अन्य उदाहरण– सुख–दुःख, ममता, बचपन, ईमानदारी, बेईमानी, जवानी, खुशी, भलाई, बुराई, आनंद, स्वादिष्ट आदि।

आइए, पुनरावृति करें

- वस्तु, व्यक्ति, स्थान अथवा भाव के नाम नाम को **संज्ञा** कहते हैं।
- जातिवाचक संज्ञा से हम भाववाचक संज्ञा भी बना सकते हैं; जैसे–

  मित्र – मित्रता, बूढ़ा – बुढ़ापा

अध्यापन संकेत विद्यार्थियों को कुछ चित्र दिखाकर कक्षा में चर्चा करें कि यह संज्ञा का कौन–सा रूप है? ध्यान रहे, सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करना शिक्षक का कर्तव्य है।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) संज्ञा शब्द किन–किन के लिए प्रयोग किए जाते हैं?

(ख) किन्हीं चार भावों के नाम बताइए।

(ग) जातिवाचक संज्ञा से आप क्या समझते हैं?

(घ) 'हरियाली' संज्ञा के किस भेद (प्रकार) का उदाहरण है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए संज्ञा शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

घड़ी	हरियाली	आगरा	साइकिल	चिड़िया

(क) ताजमहल .... में स्थित है।

(ख) आकाश में .... उड़ रही है।

(ग) यह मेरी .... है।

(घ) मेरे घर के चारों ओर ....है।

(ङ) मेरे जन्मदिन पर दीदी ने .... उपहार में दी।

2. दिए गए संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए।

लाल किला   सरदी   बिल्ली   गरमी   नूतन   वीरता   मित्रता   बच्चे   हिमालय

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
....	....	....
....	....	....
....	....	....

सोचें-विचारें

Critical thinking

3. नामों के बिना दुनिया कैसी होती? कल्पना कीजिए।

4. सभी नामों का कोई-न-कोई अर्थ होता है। आपके नाम का क्या अर्थ है? सोचकर बताइए।

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

देती हूँ मैं सबको ज्ञान,
बतलाओ क्या कहलाती श्रीमान

लाल चोंच है हरा तन है,
हरी मिर्च मैं खाता हूँ।

हरदम प्यार सभी का पाता,
बोलो बच्चो मैं क्या कहलाता।

प्रेरणादायक मूल्य

सभी के नाम, जाति एवं भावों को सम्मान देना चाहिए।

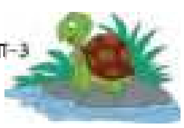

अध्याय 5

लिंग
(Gender)

पढ़िए और समझिए

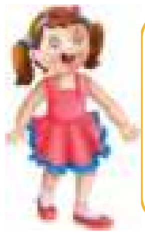

यह मीना है।
मीना एक लड़की है।
मीना, सोनू की बहन है।

दिए गए वाक्यों में लड़की और बहन स्त्री जाति के शब्द हैं।

यह सोनू है।
सोनू एक लड़का है।
सोनू, मीना का भाई है।

दिए गए वाक्यों में लड़का और भाई पुरुष जाति के शब्द हैं।

उपर्युक्त वाक्यों को पढ़ने से पता चलता है कि प्राणी दो प्रकार के होते हैं– स्त्री और पुरुष।

बैल, दादा, गुड्डा व मुर्गा पुरुष जाति का बोध कराते हैं।

गाय, दादी, गुड्डी व मुर्गी से स्त्री जाति का बोध होता है। अतः हम कह सकते हैं कि–

स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं।

लिंग के भेद–

लिंग
- पुल्लिंग
- स्त्रीलिंग

पुल्लिंग : मोर 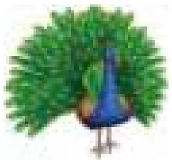 बैल लड़का

स्त्रीलिंग : मोरनी गाय 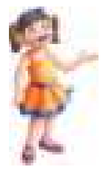 लड़की

दिए गए कुछ पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्दों का अध्ययन कीजिए–

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
लड़का	लड़की	माली	मालिन	पति	पत्नी
दादा	दादी	नौकर	नौकरानी	पंडित	पंडिताइन
चूहा	चुहिया	घोड़ा	घोड़ी	युवक	युवती
राजा	रानी	लेखक	लेखिका	मोर	मोरनी
घोड़ा	घोड़ी	हाथी	हथिनी	बैल	गाय
श्रीमान	श्रीमती	शेर	शेरनी	ससुर	सास
वर	वधू	छात्र	छात्रा	कुम्हार	कुम्हारिन

- दिन, महीना, ग्रह, पर्वत, सागर, देश आदि के नाम पुल्लिंग एवं नदी, भाषा, तिथि, पुस्तक के नाम सदैव स्त्रीलिंग रहते हैं।
- कुछ शब्दों के लिंग नहीं बदलते हैं; जैसे– राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, कुलपति आदि।
- क्रिया का प्रयोग करके संज्ञा शब्दों के लिंग की पहचान की जा सकती है; जैसे– फूल खिला है। (पुल्लिंग), कली खिली है। (स्त्रीलिंग)

आइए, पुनरावृति करें

- शब्द के जिस रूप से हमें स्त्री या पुरुष होने का पता चलता है, उसे **लिंग** कहते हैं।
- लिंग के दो भेद होते हैं– पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।
- पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द **पुल्लिंग** कहलाते हैं।
- स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्दों को **स्त्रीलिंग** कहते हैं।
- कुछ शब्दों के लिंग नहीं बदलते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को बताएँ कि लिंग की पहचान आवश्यक है। इसके बिना विद्यार्थी व्याकरण संबंधी अशुद्धियाँ करता है।

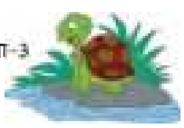

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) लिंग किसे कहते हैं?

(ख) लिंग कितने प्रकार के होते हैं?

(ग) दो स्त्रीलिंग शब्द बताइए।

लेखन कार्य

Writing Skills

1. लिंग बदलकर वाक्य को शुद्ध रूप में लिखिए।

(क) लड़की गीत गा रही है। ....

(ख) धोबिन कपड़े धो रही है। ....

(ग) चूहा बिल में है। ....

(घ) दादा जी पार्क में घूम रहे है। ....

(ङ) मोर नाच दिखा रहा है। ....

2. दिए गए शब्दों को उनके सही स्थान पर लिखिए।

श्रीमती राजा पंडित बंदरिया घोड़ा हथिनी सेठ मालिन

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग

3. दिए गए उन शब्दों को छाँटकर लिखिए जो सदैव पुल्लिंग शब्द के रूप में प्रयोग किए जाते हैं।

मंगलवार पंजाबी भाषा किताब मार्च मंगल ग्रह सोना यमुनोत्री एकादशी

एवरेस्ट हमालय मानसरोवर प्रधानमंत्री राष्ट्रपति सैनिक अफ़सर

4. सही मिलान कीजिए।

(क) लड़का	(i) मोरनी
(ख) बैल	(ii) धोबिन
(ग) मोर	(iii) गाय
(घ) धोबी	(iv) लड़की

सोचें-विचारें — Critical thinking

5. अपने आस-पड़ोस के परिवेश से स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दों के कुछ उदाहरण इकट्ठा कीजिए। साथ ही उनका नाम लिखकर एक सूची तैयार कीजिए।

स्त्रीलिंग		पुल्लिंग	
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

खेल-खेल में — Brainstorming Activity

6. संकेतों की सहायता से लिंग बदलकर शब्द-सीढ़ी पूरी कीजिए।

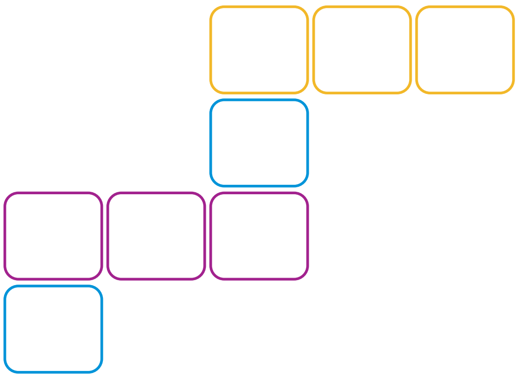

दाईं ओर–
1. बकरी का पुल्लिंग
2. माली का स्त्रीलिंग

नीचे की ओर–
1. भाई का स्त्रीलिंग
2. मामी का पुल्लिंग

प्रेरणादायक मूल्य

लिंग के आधार पर कभी किसी को कमज़ोर या पिछड़ा हुआ नहीं समझना चाहिए।

अध्याय 6

वचन
(Number)

पढ़िए और समझिए

बच्चो! इन चित्रों को देखने से ज्ञात होता है कि लड़का एवं लड़के शब्द से संख्या में एक और अनेक का पता चल रहा है।

शब्द के जिस रूप से संज्ञा के एक या एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।

वचन दो प्रकार के होते हैं-

वचन
- एकवचन
- बहुवचन

एकवचन– जिन शब्दों से एक व्यक्ति, प्राणी, वस्तु का बोध हो, वे एकवचन कहलाते हैं।

बहुवचन– वे शब्द जो अनेक (एक से अधिक) व्यक्ति, प्राणी और वस्तु का बोध कराते हैं, उन्हें बहुवचन कहते हैं।

दी गई तालिका में एकवचन और बहुवचन के उदाहरणों का अध्ययन कीजिए-

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
बच्चा	बच्चे	वस्तु	वस्तुएँ	आँख	आँखें
बिल्ली	बिल्लियाँ	चश्मा	चश्मे	चूहा	चूहे
नदी	नदियाँ	माता	माताएँ	कमरा	कमरे
गाड़ी	गाड़ियाँ	कपड़ा	कपड़े	साड़ी	साड़ियाँ
मेला	मेले	मिठाई	मिठाइयाँ	लकड़ी	लकड़ियाँ
सब्ज़ी	सब्ज़ियाँ	चम्मच	चम्मचें	पुस्तक	पुस्तकें
औरत	औरतें	कार	कारें	किताब	किताबें
कमीज़	कमीज़ें	रात	रातें	माला	मालाएँ
कुर्ता	कुर्ते	बंदूक	बंदूकें	लता	लताएँ
दुकान	दुकानें	भाषा	भाषाएँ	रस्सी	रस्सियाँ

- कुछ शब्दों के वचन नहीं बदलते; जैसे- हस्ताक्षर, प्राण, आँसू आदि। ये सदा बहुवचन में ही प्रयोग होते हैं।
- कुछ शब्द सदा एकवचन में प्रयुक्त होते हैं; जैसे- पानी, सोना, दूध आदि।

आइए, पुनरावृत्ति करें

- संख्या का बोध कराने वाले शब्द वचन कहलाते हैं।
- एक का बोध कराने वाले शब्द एकवचन कहे जाते हैं।
- अनेक का बोध कराने वाले शब्दों को बहुवचन कहते हैं।

अध्यापन संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को समझाएँ कि आदर देने के लिए सदा बहुवचन प्रयोग होता है। एक और अनेक को बच्चे समझते हैं लेकिन लिखते समय त्रुटियाँ करते हैं, अतः अभ्यास करवाएँ।

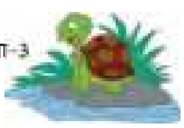

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य
Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) वचन किसे कहते हैं?

(ख) वचन के कितने भेद हैं?

(ग) 'आँसू' किस वचन का शब्द है?

(घ) एकवचन और बहुवचन में क्या अंतर है?

लेखन कार्य
Writing Skills

1. दिए गए वाक्य पढ़कर सही (✓) और गलत (✗) का चिह्न लगाइए।

(क) वचन संज्ञा शब्दों की संख्या बताते हैं। ☐

(ख) वचन तीन प्रकार के होते हैं। ☐

(ग) एक से अधिक संख्या का बोध कराने वाले शब्द बहुवचन कहलाते हैं। ☐

(घ) 'जनता' शब्द का वचन बदलता है। ☐

(ङ) कुछ शब्द सदा एकवचन ही रहते हैं। ☐

2. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) तुम रोज़ हरी .... खाया करो। (सब्ज़ी/सब्ज़ियाँ)

(ख) सभी .... धूप में सुखा दीजिए। (कपड़ा/कपड़े)

(ग) भारतवर्ष अनेक .... वाला देश है। (संस्कृति/संस्कृतियों)

(घ) बच्चे .... से खेल रहे हैं। (गेंद/गेंदों)

(ङ) .... पानी में रहती है। (मछली/मछलियाँ)

(च) मैंने एक अच्छी .... पढ़ी। (कहानी/कहानियाँ)

3. दिए गए वृक्षरूपी शब्दों में से एकवचन और बहुवचन छाँटकर लिखिए।

एकवचन	बहुवचन

खेल-खेल में Brainstorming Activity

4. दिए गए शब्दों के बहुवचनों पर (○) बनाइए।

(क) गुड़िया – गुड़िये गुड़ियाँ – गुड़ीयाँ

(ख) लता – लते लतों – लताएँ

(ग) मिठाई – मिठाईयाँ मिठाइयों – मिठाइयाँ

सोचें-विचारें Critical thinking

5. किसी शब्द के बहुवचन रूप को लिखने के लिए किन मात्राओं का प्रयोग किया जाता है? सोचकर बताइए। कुछ उदाहरण लिखिए।

घड़ी – .... बच्चा – .... नदी – ....

लता – .... मेला – .... कमरा – ....

6. अपने घर में रखी वस्तुओं को देखते हुए एक सूची तैयार कीजिए और लिखिए कि संख्या में कौन-सी वस्तु एकवचन है और कौन-सी बहुवचन?

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

एक-एक करके जैसे बनते अनेक, **'अनेकता में एकता, सबको दें संदेश।'**

अध्याय 7

सर्वनाम
(Pronoun)

पढ़िए और समझिए

भाषा को सुंदर और स्पष्ट बनाने के लिए बार-बार संज्ञा शब्दों (नाम) का प्रयोग नहीं किया जाता है अर्थात वाक्य की भाषा में स्पष्टता लाने हेतु जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, उन्हें **सर्वनाम** कहते हैं।

नीचे दिए गए वाक्यों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए-

सुमन मेरी प्रिय सहेली है। सुमन का स्वभाव बहुत अच्छा है। सुमन के पापा डॉक्टर तथा मम्मी अध्यापिका हैं। कक्षा में सुमन हमेशा प्रथम आती है। सुमन को संगीत सुनना पसंद है।

ऊपर दिए वाक्यों में सुमन का नाम बार-बार दोहराया जा रहा है जो वाक्य को उत्साहहीन बना देता है।

सुमन मेरी प्रिय सहेली है। उसका स्वभाव बहुत अच्छा है। उसके पापा डॉक्टर तथा मम्मी अध्यापिका हैं। कक्षा में वह हमेशा प्रथम आती है। उसे संगीत सुनना पसंद है।

आपने देखा कि ऊपर दिए वाक्यों में सुमन का नाम बार-बार न लिखकर उसके स्थान पर कुछ अन्य शब्दों का प्रयोग किया गया है; जैसे- उसका, उसके, वह और उसे। ये सभी शब्द **सर्वनाम शब्द** कहलाते हैं।

हिंदी भाषा में प्रयोग होने वाले कुछ सर्वनाम शब्द इस प्रकार हैं –

हम	हमारा	हमें	वे	उन्हें	उनका
मैं	मेरा	मुझे	ये	इन्हें	इनका
तुम	तुम्हारा	तुम्हें	कौन	किन्हें	किनका
आप	आपका	आपको	वह	किसे	किसका

अपने से बड़ों के लिए हम 'आप' शब्द का प्रयोग करते हैं।

जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वह सर्वनाम कहलाते हैं।

सर्वनाम का अर्थ है– सबका नाम। सर्वनाम शब्दों के प्रयोग से वाक्य सुंदर और सहज लगते हैं। साधारणत: मैं, हम, तुम, तुम्हें, वह, यह, आप, कोई आदि सर्वनाम शब्द होते हैं।

सर्वनाम संबंधित स्मरणीय तथ्य/ध्यान देने योग्य बातें

1. अपने लिए प्रयोग होने वाले सर्वनाम– मैं, मेरे, मेरी, हम, हमारा, हमारी, अपना, हमने, हमसे, मुझे, मुझको, हमको आदि।
2. जिससे बात की जाए– तू, तुम, तुम्हारा, तुझे, तुम्हें, तेरा, आप, आपका, आपको, आपने आदि।
3. जिसके बारे में बात की जाए– वह, वे, उसे, इसे, इनका, उनका, उसका, इसका, जिसने, उसने, इन्होंने आदि।
4. बड़ों के लिए– आप, आपको, आपका आदि।
5. इसके अतिरिक्त कौन, कोई, क्या आदि भी सर्वनाम हैं।

मैं	तुम	इसका	वह	इन्हें	किसे	वे
मैंने	तुमको	इसकी	उसे	उन्हें	किन्हें	जिन्होंने

अध्यापन संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को बातचीत से सर्वनाम समझाएँ और बताएँ कि किस तरह बार–बार संज्ञा का प्रयोग वाक्य को अटपटा बना देता है।

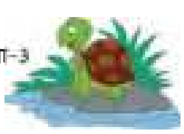

संज्ञा की तरह सर्वनाम शब्दों के भी एकवचन तथा बहुवचन होते हैं।

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
मैं	हम	तुम	तुम्हें
यह	ये	वह	वे
इसे	इन्हें	उसे	उन्हें

आइए, पुनरावृति करें

- संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
- सर्वनाम शब्दों के भी वचन बदलते हैं।
- सर्वनाम शब्दों में संज्ञा शब्दों की तरह एकवचन-बहुवचन होते हैं।
- सर्वनाम शब्दों के प्रयोग से भाषा सहज और सरल बनती है।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य
Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग क्यों करते हैं?

(ख) किसी अन्य के लिए कौन-से सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है?

(ग) अपने विषय में बात करते समय किन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है?

लेखन कार्य
Writing Skills

1. दिए गए वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए।

(क) दादी जी आप कहाँ जा रही हैं? ....

(ख) जरा देखो, 'कौन आया है?' ....

(ग) वे सब कल निशा के घर गए थे। ....

2. दिए गए सर्वनाम शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) .... समय के बहुत पाबंद हैं। (वह/तुम)

(ख) उस सफ़ेद कार में ....आया है? (कौन/कहाँ)

(ग) .... खेलने जा रहा हूँ। (तुम/मैं)

3. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए।

(क) कहाँ – ....

(ख) वह – ....

(ग) आप – ....

4. दिए गए शब्द समूहों में से सर्वनाम शब्दों पर (○) बनाइए।

(क) मुरगी घड़ी तुम

(ख) शेर वे छतरी

(ग) तुम्हारा हम बिल्ली

(घ) राम किसे कोई

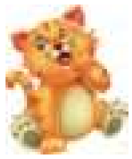

सोचें-विचारें Critical thinking

5. किसी भी कहानी में सर्वनाम शब्दों का प्रयोग क्यों किया जाता है? सोचकर बताइए।

खेल-खेल में Brain Storming Activity

6. वर्ग पहेली से सर्वनाम शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

तु	आ	कौ
व	को	ह
न	प	म

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

मैं छोड़, जब हम का भाव आएगा, सारा जग एकता के सूत्र में बँध जाएगा।

विशेषण
(Adjective)

पढ़िए और समझिए

मोटा भालू   एक आसमान
चतुर सियार   चार चिड़ियाँ

'कैसा कितना जो बतलाए,
विशेषण वही कहलाए'

कैसा भालू ....   कैसा सियार ....

कितने आसमान ....   कितनी चिड़ियाँ ....

चित्र में मोटा, चतुर, एक, चार विशेषण शब्द हैं, जो संज्ञा शब्दों की विशेषता बता रहे हैं। उपरोक्त शब्द रंग, स्वभाव, आकार, गिनती (मात्रा) के बारे में संकेत दे रहे हैं। ऐसे शब्द विशेषण कहलाते हैं।

ऐसे शब्द जो संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, विशेषण कहलाते हैं।

एवं **वे शब्द जो विशेषण की विशेषता को बतलाएँ, उन्हें विशेष्य कहते हैं।**

आइए, कुछ विशेषण शब्दों को जानें-

शरबत बहुत **मीठा** है।
यह तालाब बहुत **बड़ा** है।
घास का रंग **हरा** है।
दो किलो टमाटर दीजिए।

विशेषण शब्द व्यक्ति एवं वस्तुओं के रूप-रंग, आकार-प्रकार, संख्या, माप-तौल, गुण-दोष आदि के विषय में बताते हैं।

रूप-रंग – गोरा, काला, सुंदर, असुंदर आदि।
आकार – मोटा, पतला, छोटा, लंबा आदि।
गुण-अवगुण – अच्छा-बुरा, ईमानदार-बेईमान आदि।
अवस्था – गरीब-अमीर, स्वस्थ-अस्वस्थ, बूढ़ा-जवान आदि।
माप-तौल – दो किलो, पाँच मीटर, 50 ग्राम आदि।
स्वाद – खट्टा, मीठा, कड़वा, तीखा आदि।

1. एक ही संज्ञा, सर्वनाम शब्दों के कई विशेषण हो सकते हैं।
2. जिनकी विशेषता बताई जाती है, वे विशेष्य कहलाते हैं। संज्ञा, सर्वनाम ही विशेष्य होते हैं। विशेषण शब्द संज्ञा, सर्वनाम के पहले और बाद में भी आ सकते हैं; जैसे- बड़ा तालाब, बहुत बड़ा आदि।

आइए, कुछ विशेष्य और विशेषण शब्दों के उदाहरण देखें-

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
बड़ा	घर	गहरा	कुआँ
ईमानदार	लड़का	सुंदर	फूल
फूलों वाली	टोकरी	सच्ची	घटना
छोटा	पेड़	सफ़ेद	कमीज़
चार	सेब	पुरानी	धोती

आइए, पुनरावृति करें

- विशेषण शब्द किसी प्राणी या वस्तु के गुण बताते हैं।
- विशेषण शब्द संज्ञा, सर्वनाम शब्दों के आगे व पीछे दोनों जगह आ सकते हैं।

अध्यापन संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को विशेषण और विशेष्य को सोदाहरण समझाएँ तथा वाक्य में प्रयुक्त विशेषण शब्दों की पहचान करना सिखाएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य
Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) विशेषण से आप क्या समझते हैं?

(ख) विशेषण शब्द की पहचान कैसे की जाती है?

(ग) विशेषण शब्द की विशेषता बताने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?

लेखन कार्य
Writing Skills

1. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) विशेषण शब्द बताते हैं–

☐ रंग ☐ आकार ☐ गुण ☐ ये सभी

(ख) यह एक मीटर कपड़ा है, में विशेषण शब्द क्या है–

☐ कपड़ा ☐ एक ☐ एक मीटर ☐ यह

(ग) आम बहुत रसीला है, में विशेष्य क्या है–

☐ आम ☐ रसीला ☐ बहुत ☐ है

2. सही मिलान कीजिए।

(क) लंबा	(i) सैनिक
(ख) हरा	(ii) पेड़
(ग) ऊँचा	(iii) पत्ता
(घ) वीर	(iv) पर्वत
(ङ) कड़वा	(v) कपड़ा
(च) दो मीटर	(vi) करेला

3. दिए गए वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य छाँटिए।

वाक्य	विशेषण	विशेष्य
यह सड़क चौड़ी है।		
टोकरी में दस नींबू रखे हैं।		
गोल रोटी बनाओ।		
राजेश समझदार लड़का है।		
गिलास में दूध कम है।		
वह व्यक्ति ईमानदार है।		

सोचें-विचारें
Critical thinking

4. आप अपने लिए किन-किन विशेषताओं का प्रयोग करेंगे? वाक्य बनाते हुए लिखिए।

1. .... 3. ....
2. .... 4. ....

खेल-खेल में
Brain Storming Activity

5. आम एक संज्ञा शब्द है। चित्र में आम शब्द के विशेषण लिखिए तथा उसका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

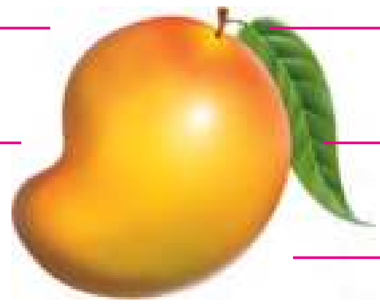

....

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

हमें सदैव अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए और अवगुणों को त्यागने का प्रयास करना चाहिए।

अध्याय 9

क्रिया एवं काल
(Verb and Tense)

पढ़िए और समझिए

उपरोक्त चित्रों में आपने देखा कि रंगीन शब्द किसी-न-किसी काम के होने के बारे में बता रहे हैं; जैसे- सोया, अलसाया, जगाया, आया, मुस्काया।

अर्थात् कार्यों का होना या करना बताने वाले ये शब्द **क्रिया** कहलाते हैं। अतः हम कह सकते हैं कि—

जिन शब्दों से किसी काम के करने या होने का पता चले, उन्हें क्रिया कहते हैं।

भाषा को बोलने, लिखने, पढ़ने व समझने में क्रिया का होना आवश्यक है। क्रिया के बिना वाक्य अधूरा होता है; जैसे–

आकाश में रॉकेट.............क्या? बाग में मोर.............क्या?

उदाहरण द्वारा समझिए–

जोकर को देखकर बच्चे **हँस** रहे हैं।

हाथी धीरे-धीरे.............रहा है।

बंदूक की आवाज़ सुनकर पक्षी.............उड़ गए।

राम पुस्तक.............रहा है।

चित्र को देखकर क्रिया की पहचान करें–

दिए गए कुछ क्रिया शब्दों का अध्ययन कीजिए–

रोना	उड़ना	नाचना	बुनना	झूलना
हँसना	सुनना	गाना	सिलना	गिरना
सोना	आना	जागना	नहाना	धोना

क्रिया को जिस समय में किया जाता है, वह काल कहलाता है।

काल मुख्यत: तीन प्रकार के होते हैं– 1. भूतकाल (बीता समय) 2. वर्तमान (जो चल रहा है) 3. भविष्यत् (जो आएगा)।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को क्रिया विस्तारपूर्वक पढ़ाएँ तथा उनका वाक्यों में प्रयोग करना सिखाएँ। साथ ही काल भी बताएँ।

आइए, पुनरावृति करें

- काम के होने या करने को क्रिया कहते हैं।
- क्रिया को करने वाला समय काल कहलाता है।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) क्रिया से आप क्या समझते हैं?

(ख) क्रिया किन-किन काल में की जाती है?

(ग) क्रिया शब्द के दो उदाहरण दीजिए?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. चित्र में कौन क्या कर रहा है? लिखिए।

(क) ....

(ख) ....

(ग) ....

(घ) ....

2. दिए गए वाक्यों में उपयुक्त क्रिया शब्दों को भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) मैं बाज़ार .... हूँ। (भागता/जाता)

(ख) तुम लोग कब .... ? (खाए/आए)

(ग) आज विद्यालय का अवकाश .... । (है/हैं)

(घ) पिता जी अख़बार .... रहे हैं। (पढ़/गए)

(ङ) पिता जी फ़ोन पर .... कर रहे हैं। (बात/साथ)

सोचें-विचारें

Critical thinking

3. आपकी कक्षा में कौन-कौन सी क्रियाएँ (काम) होती हैं? चर्चा करें।

4. आप कौन-कौन से कार्य करके खुशी का अनुभव करते हैं? पाँच वाक्य लिखिए।

(क) ....

(ख) ....

(ग) ....

(घ) ....

(ङ) ....

खेल-खेल में

Brain storming Activity

5. दिए गए क्रिया शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए।

(क) कूदना ....

(ख) सूँघना ....

(ग) उलछना ....

(घ) तैरना ....

(ङ) पकड़ना ....

प्रेरणादायक मूल्य

कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता है। व्यक्ति अपने काम से ही जाना जाता है।

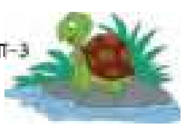

अध्याय 10

पर्यायवाची शब्द
(Synonyms)

पढ़िए और समझिए

चाँद मामा कितने सफ़ेद हैं।

देखो! **चंद्रमा** निकल आया।

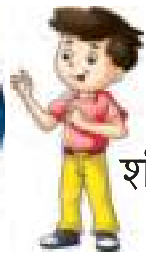

सचमुच, **शशि** कितना शीतल दिखाई दे रहा है।

सूर्य → रवि → सूरज

सर्प → नाग → भुजंग

बच्चो! उपरोक्त चित्रों के साथ एक से अधिक नाम आए हैं अर्थात् संज्ञा (प्राणी, वस्तु) शब्दों को हम अनेक नामों से पुकार सकते हैं।

> वह शब्द जो समान अर्थ बताते हुए अलग-अलग नामों से पुकारे जाते हैं, वह पर्यायवाची या **समानार्थी** शब्द कहलाते हैं।

शब्द	पर्यायवाची
वर्षा	बरसात, बरखा
चंद्रमा	चाँद, शशि
पानी	जल, नीर, अंबु
आकाश	गगन, अंबर, नभ
पुत्र	बेटा, लड़का, सुत

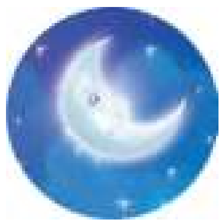

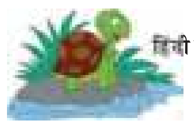

अग्नि	अनल, पावक, आग
पाठशाला	विद्यागृह, विद्यालय
इच्छा	अभिलाषा, चाह, कामना
कपड़ा	वस्त्र, चीर, पट
धरती	धरा, पृथ्वी, भूमि
पहाड़	गिरि, पर्वत, नग
पेड़	वृक्ष, विटप, तरु
फूल	पुष्प, सुमन, कुसुम
बगीचा	उपवन, कानन, वन
भगवान	ईश्वर, परमेश्वर, प्रभु
माँ	माता, जननी, अंबा
संसार	विश्व, जगत, दुनिया
वायु	पवन, समीर, हवा
दिन	दिवस, वार, दिवा
नदी	सरिता, सलिला, निर्झरिणी
तालाब	सर, सरोवर, जलाशय
बादल	मेघ, जलद, घन
औरत	स्त्री, महिला, नारी
नाग	सर्प, साँप, भुजंग
पक्षी	विहग, चिड़िया, पंछी
सुबह	प्रातः, सवेरा, प्रभात

अध्यापन संकेत

बच्चों को कुछ शब्द देकर समूह चर्चा करवाएँ कि इन शब्दों को उनकी प्रदेशिक बोली में क्या पुकारते हैं?

आइए, पुनरावृति करें

- संज्ञा शब्दों को अनेक नाम से पुकार सकते हैं।
- जो शब्द एक जैसा अर्थ बताते हैं, वह पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।
- पर्यायवाची शब्दों को समानार्थी शब्द भी कहते हैं।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) एक समान अर्थ वाले शब्दों को क्या कहते हैं?

(ख) नदी और घर के दो समानार्थी शब्द बताइए।

लेखन कार्य

Writing Skills

1. सही पर्यायवाची शब्द पर (○) बनाइए।

(क) **फूल**	–	फल	पुष्प	पत्ता
(ख) **पेड़**	–	खग	पर्वत	वृक्ष
(ग) **पर्वत**	–	विटप	गिरि	वारि
(घ) **चक्षु**	–	दृग	चखना	छाछ

2. वाक्यों में उचित पर्यायवाची शब्द का प्रयोग कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

आकाश पानी पंकज सखा

(क) आसमान को हम .... भी कहते हैं।

(ख) कमल का एक अन्य नाम .... भी है।

(ग) हमें जल का संरक्षण करना चाहिए क्योंकि .... ही जीवन है।

(घ) मेरे दोस्त का नाम राम है और राम के .... का नाम राहुल है।

3. चित्रों को देखिए और दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क)

(ख)

(ग)

(घ)

(ङ)

नदी	....	....
बादल	....	....
घर	....	....
माँ	....	....
साँप	....	....

सोचें-विचारें Critical thinking

4. दिए गए चित्रों के दो-दो नाम सोचकर लिखिए।

....

....

खेल-खेल में Brain Storming Activity

5. अपने आस-पास के उदाहरण से संज्ञा शब्दों का चयन कर दो-दो पर्यायवाची शब्द कक्षा में चर्चा करते हुए लिखिए।

नाम	पर्यायवाची	
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

प्रेरणादायक मूल्य

प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपने नाम का महत्व होता है। अतः हमें कभी भी किसी के नाम का मज़ाक नहीं बनाना चाहिए।

अध्याय 11

विलोम शब्द
(Antonyms)

पढ़िए और समझिए

ऊपर

नीचे

मोटा

पतला

रात

दिन

हँसना

रोना

हमने चित्र देखकर जाना कि प्रत्येक चित्र एक-दूसरे का उल्टा संदेश दे रहे हैं। इन शब्दों को हम **विलोम** अथवा **विपरीतार्थक** शब्द कहते हैं। अत:

एक-दूसरे शब्दों का विपरीत अथवा उल्टा अर्थ देने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।

शब्द		विलोम	शब्द		विलोम
रात	×	दिन	ईमानदार	×	बेईमान
धरती	×	आकाश	रोगी	×	निरोगी
स्वतंत्र	×	परतंत्र	मीठा	×	खट्टा

शब्द		विलोम	शब्द		विलोम
दु:ख	×	सुख	सच	×	झूठ
आदि	×	अंत	अमीर	×	गरीब
पाप	×	पुण्य	हार	×	जीत
चतुर	×	मूर्ख	दूर	×	पास
वीर	×	कायर	निर्जीव	×	सजीव
पराया	×	अपना	गरम	×	ठंडा
नवीन	×	प्राचीन	सबल	×	दुर्बल
कच्चा	×	पक्का	देना	×	लेना
बड़ा	×	छोटा	विदेशी	×	देशी
मांसाहारी	×	शाकाहारी	अशांत	×	शांत
अंदर	×	बाहर	एक	×	अनेक
उत्थान	×	पतन	सूखा	×	गीला
अमृत	×	विष	आदान	×	प्रदान
अस्त	×	उदय	अवनति	×	उन्नति
कठिन	×	सरल	अंधकार	×	प्रकाश
पुराना	×	नया	दुश्मन	×	दोस्त
दुर्गम	×	सुगम	रोना	×	हँसना
नास्तिक	×	आस्तिक	असत्य	×	सत्य
अल्प	×	अधिक	सुर	×	असुर
धर्म	×	अधर्म	स्वर्ग	×	नरक
कटु	×	मधुर	धीर	×	अधीर

अध्यापन संकेत बच्चों को कक्षा में विलोम शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करना सिखाएँ।

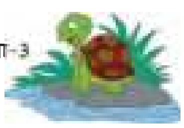

आइए पुनरावृति करें

- एक-दूसरे का उल्टा अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) विलोम शब्दों को अन्य किस नाम से जानते हैं?

(ख) हार, मोटा और सुंदर शब्दों के विलोम शब्द बताइए।

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए।

(क) आदर .... (ख) हल्का ....

(ग) धीरे .... (घ) धर्म ....

(ङ) जीवन .... (च) थल ....

(छ) कोमल .... (ज) प्रदान ....

(झ) चतुर .... (ञ) अधिक ....

2. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थान पर विलोम शब्द लिखिए।

(क) पंख .... होता है और पत्थर भारी।

(ख) सेब मीठा और करेला .... होता है।

(ग) सूरज दिन में निकलता है, और चाँद .... में।

3. उचित विलोम शब्दों पर गोला (○) बनाइए।

(क) हार	पराजय	जीत
(ख) दिन	रात्रि	रात
(ग) झूठ	सच	झूठा
(घ) अल्प	अधिक	थोड़ा

4. सही मिलान कीजिए।

(क) छोटा	(i) झूठा
(ख) सच्चा	(ii) बाहर
(ग) अंदर	(iii) दुख
(घ) गीला	(iv) बड़ा
(ङ) सुख	(v) सूखा

सोचें-विचारें Critical thinking

5. अपने आसपास के परिवेश से विलोम शब्द छाँटकर लिखिए।

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

खेल-खेल में Brain Storming Activity

6. दिए गए चित्र में कोई तीन शब्द निकालकर उनके विलोम शब्द लिखिए।

शब्द	विलोम
....	....
....	....
....	....

प्रेरणादायक मूल्य

हमें सदैव विपरीत परिस्थितियों में भी आशा बनाए रखनी चाहिए।

अध्याय 12

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
(One Word Substitution)

पढ़िए और समझिए

मज़दूरी करने वाला
(मज़दूर)

बच्चों को पढ़ाने वाली स्त्री
(अध्यापिका)

गीत गाने वाला
(गायक)

बच्चो! आपने देखा कि उपर्युक्त चित्रों में उनके नीचे अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखे हैं। इन शब्दों का प्रयोग भाषा को सरल और सुंदर बनाने के लिए किया जाता है। अतः भाषा को सुंदर, सरल एवं प्रभावशाली बनाने के लिए अनेक शब्दों की जगह एक संबंधित शब्द का प्रयोग किया जाना आवश्यक है। अनेक शब्दों के लिए एक शब्द को वाक्यांशबोधक शब्द भी कहते हैं।

जिन शब्दों का प्रयोग अनेक शब्दों या वाक्यांशों के स्थान पर किया जाता है, वे शब्द अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहलाते हैं।

वाक्यांश	एक शब्द
सत्य बोलने वाला	सत्यवादी
मीठा बोलने वाला	मृदुभाषी
कटु बोलने वाला	कटुभाषी
शहर में रहने वाला	शहरी

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को शब्दों के उपयुक्त चयन हेतु अनेक शब्दों के बदले एक शब्द को अच्छी तरह समझाएँ।

साथ में पढ़ने वाला	सहपाठी
गाँव में रहने वाला	ग्रामीण
लोहे का सामान बनाने वाला	लुहार
स्वर्ण आभूषण बनाने वाला	स्वर्णकार/सुनार
पढ़ा लिखा व्यक्ति	साक्षर/शिक्षित
जल में रहने वाला	जलचर
हर रोज़ होने वाला	दैनिक
सप्ताह में एक बार होने वाला	साप्ताहिक
जो पढ़ा लिखा न हो	निरक्षर/अशिक्षित
खेती करने वाला	खेतिहर/किसान
पंद्रह दिन में एक बार होने वाला	पाक्षिक
महीने में एक बार होने वाला	मासिक
वर्ष में एक बार होने वाला	वार्षिक
कपड़े धोने का कार्य करने वाला	धोबी
लालच करने वाला	लालची
मेहनत करने वाला	मेहनती
डरने वाला	डरपोक
न डरने वाला	निडर
विद्या ग्रहण करने वाला	विद्यार्थी
चित्र बनाने वाला	चित्रकार
भारत में रहने वाला	भारतीय
अपने देश की वस्तु	स्वदेशी
मिट्टी के बरतन बनाने वाला	कुम्हार
कविता लिखने वाला पुरुष	कवि
कविता लिखने वाली स्त्री	कवयित्री
विद्या प्राप्त करने का स्थान	विद्यालय
आकाश में विचरण करने वाला	नभचर

आइए, पुनरावृति करें

- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द को वाक्यांशबोधक शब्द भी कहते हैं।
- कम शब्दों में अपनी बात को कहना वाक्यांश के अर्थ को बताना है।

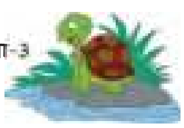

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द से आप क्या समझते हैं?

(ख) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द को और किस नाम से जानते हैं?

(ग) एक शब्द का प्रयोग भाषा में क्यों किया जाता है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. वाक्य में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

धोबी माली मिस्त्री गायक

(क) .... ने घर बनाया।

(ख) .... ने बहुत अच्छा गाना गाया।

(ग) .... पौधों को सींच रहा है।

(घ) .... कपड़े धो रहा है।

2. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

(क) जहाँ पढ़ाया जाता है। ....

(ख) आलस करने वाला ....

(ग) वर्ष में एक बार होने वाला ....

(घ) मीठा बोलने वाला ....

(ङ) मकान बनाने वाला ....

(च) गाँव में रहने वाला ....

(छ) सदा सत्य बोलने वाला ....

(ज) जहाँ पुस्तकें रखी जाती हैं। ....

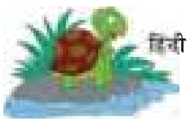

3. सही मिलान कीजिए।

(क) रोगी का इलाज करने वाला	(i) शिक्षिका
(ख) शहर में रहने वाला	(ii) दैनिक
(ग) पढ़ाने वाली स्त्री	(iii) पहाड़ी
(घ) रोज़ाना होने वाला	(iv) चिकित्सक
(ङ) पहाड़ पर रहने वाला	(v) शहरी

सोचें-विचारें

Critical thinking

4. अभी तक आपने शब्द समूह पढ़कर उनके लिए एक शब्द लिखे। अब दी गई वस्तुएँ देखकर बताइए कि इनका प्रयोग कौन करते हैं?

....

....

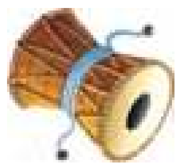
....

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

5. चित्र पहचानकर वाक्यांश शब्द लिखिए।

....

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

जैसे भाषा को 'अनेक शब्दों के बदले एक शब्द' प्रभावी बनाते हैं, उसी तरह मानवीय गुण मिलकर हमारे व्यक्तित्व को प्रभावी बनाते हैं।

अध्याय 13

मुहावरे
(Idioms)

पढ़िए और समझिए

आपने देखा कि दोनों चित्रों में बात को थोड़ा रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इन वाक्यों में विशिष्ट अर्थ व तरीकों से कही गई बात मज़ेदार एवं असरदार रूप में होती है। इन्हीं तरीकों को मुहावरे का प्रयोग करना कहा जाता है। ये मुहावरे भाषा को सुंदर बनाते हैं।

वाक्यांश को विशेष अर्थ के साथ प्रयोग करना मुहावरा कहलाता है।

	साधारण तरीके से कहे गए कथन	विशेष तरीके से कहे गए कथन
(क)	टीना बहुत तेज़ दौड़ती है।	टीना हवा से बातें करती है।
(ख)	पिता जी ने पुनीत को शाबासी दी।	पिता जी ने पुनीत की पीठ थपथपाई।
(ग)	पुलिस को देखकर चोर भाग गए।	पुलिस को देखकर चोर नौ-दो ग्यारह हो गए।
(घ)	राम तो बहुत दिनों बाद मिला।	राम तो ईद का चाँद हो गया।

मुहावरे	अर्थ	वाक्य प्रयोग
कमर कसना	तैयार करना	आदेश मिलते ही सैनिकों ने युद्ध के लिए कमर कस ली।
आग-बबूला होना	बहुत गुस्सा करना	घर का सामान बिखरा देखकर माँ आग-बबूला हो गईं।
सिर चढ़ाना	बिगाड़ देना	दादी ने अपनी पोती को सिर चढ़ा रखा है।
पेट में चूहे कूदना	भूख लगना	मेरे पेट में चूहे कूद रहे हैं।
हाथ बँटाना	मदद करना	नेहा, माँ के काम में हाथ बँटाती है।
आकाश-पाताल का अंतर	बहुत अधिक अंतर	समीर और समर में आकाश-पाताल का अंतर है।
घी के दीये जलाना	खुशियाँ मनाना	माँ ने बेटे के आने पर घी के दीये जलाए।
नमक-मिर्च लगाना	बढ़ा-चढ़ाकर कहना	रंजू की आदत है, बात को नमक-मिर्च लगाकर बताने की।
टाँग अड़ाना	बाधा डालना	मेरे काम में टाँग मत अड़ाओ।
फूला न समाना	बहुत खुश होना	पुरस्कार मिलने पर रश्मि फूली न समाई।
हवा से बातें करना	तेज़ दौड़ना	राणा प्रताप का घोड़ा हवा से बातें करता था।
हाथ पसारना	माँगना	हर छोटी चीज़ के लिए हाथ पसारना उचित नहीं।
कान पर जूँ न रेंगना	कोई असर न होना	सुधीर को कुछ भी कहो, उसके कान पर जूँ तक नहीं रेंगती।
उल्लू बनाना	मूर्ख बनाना	मुझे उल्लू मत बनाओ, समझता हूँ तुम्हें।
लाल-पीला होना	बहुत गुस्सा करना	पिता जी बेटे के ऊपर लाल-पीले हो रहे हैं।

अध्यापन संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को कुछ मुहावरे देकर संवाद करने के लिए प्रोत्साहित करें।

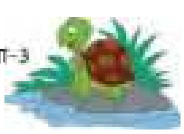

आइए, पुनरावृति करें

- मुहावरे विशेष कथन होते हैं।
- भाषा में कलात्मकता मुहावरों के प्रयोग द्वारा ही संभव है।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) विशेष अर्थ देने वाला शब्द समूह क्या कहलाता है?

(ख) भाषा को रोचक व सुंदर बनाने का तरीका क्या है?

(ग) विशेष कथन किसके लिए प्रयोग होता है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) आसमान सिर पर उठाना–

- [ ] बहुत लंबा होना
- [ ] बहुत शोर मचाना
- [ ] ऊँचा कूदना
- [ ] लंबी रेस का घोड़ा होना

(ख) दाँत खट्टे करना–

- [ ] हराना
- [ ] दाँत में नींबू लगाना
- [ ] दाँतों में खटाई मलना
- [ ] दही खिलाना

(ग) आँख का तारा–

- [ ] बहुत प्यारा
- [ ] आँख में तारे आना
- [ ] आँख के नीचे तारा बनना
- [ ] दिन में तारे दिखना

(घ) भीगी बिल्ली बनना–

- ☐ डर जाना
- ☐ म्याऊँ म्याऊँ करना
- ☐ बिल्ली को भिगो देना
- ☐ भाग खड़ा होना

(ङ) टाँग अड़ाना–

- ☐ गिरा देना
- ☐ दखल देना
- ☐ जवाब देना
- ☐ अनसुना कर देना

2. दिए गए चित्रों से संबंध रखने वाले मुहावरे लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

3. दिए गए वाक्यों में सही मुहावरों का अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(क) मैंने साहिल से पुस्तक माँगी, तो उसने .... दिया।

(ख) अरे, रोहित! तुम तो .... हो गए हो।

(ग) मुस्कान के गीत को सुनकर माँ ने उसकी .... ।

(घ) पुलिस को देखते ही चोर .... हो गया।

4. दिए गए मुहावरों से वाक्य बनाइए।

(क) फूला न समाना – ....

(ख) उल्लू बनाना – ....

(ग) हाथ पीले करना – ....

(घ) ईद का चाँद होना – ....

(ङ) अपनी खिचड़ी अलग पकाना – ....

5. सही मिलान कीजिए।

(क) कमर कसना	(i) कोशिश करना
(ख) दाँत पीसना	(ii) डर जाना
(ग) भीगी बिल्ली बनना	(iii) तैयार होना
(घ) हाथ पाँव मारना	(iv) तेज़ दौड़ना
(ङ) हवा से बातें करना	(v) गुस्सा करना

सोचें-विचारें

Critical thinking

6. क्या दिए गए शब्दों से मुहावरों का निर्माण हो सकता है? सोचकर लिखिए।

(क) चोर – ....

(ख) पानी – ....

(ग) अँगूठा – ....

(घ) हाथ – ....

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

7. चित्र देखते हुए संबंधित मुहावरों से कहानी बनाइए।

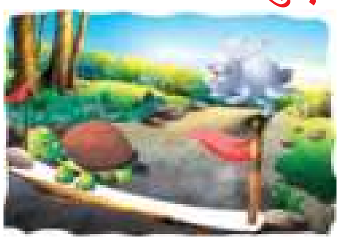

....

....

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

जिस प्रकार मुहावरों के प्रयोग से भाषा को कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किया जाता है। उसी तरह हमारी भाषा-शैली हमारे व्यक्तित्व को प्रस्तुत करती है।

अध्याय 14

अशुद्धि-शोधन
(Error-Correction)

पढ़िए और समझिए

उपरोक्त चित्र में आपने दो लोगों के बीच की बातचीत सुनी। इन्होंने अपनी बातचीत में क्या गलती की है?

हम भी अक्सर बोलते और लिखते समय कुछ गलतियाँ कर देते हैं। इन गलतियों के दो कारण होते हैं- 1. अशुद्ध उच्चारण 2. अशुद्ध वर्तनी।
यदि हम इन दोनों मूल बातों का ध्यान रखें तो हिंदी भाषा को शुद्ध रूप से बोल और लिख सकते हैं।

वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ-

भाषा प्रयोग में अधिकतर गलतियाँ (अशुद्धियाँ) वचन, लिंग, विराम-चिह्न आदि के गलत प्रयोग से होती हैं। अतः व्याकरण के नियमों का पालन करते हुए हम अशुद्धि-शोधन कर सकते हैं।

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
परिक्षा	परीक्षा	श्रीमति	श्रीमती
त्यौहार	त्योहार	इसलीए	इसलिए
रूपया	रुपया	ग्रहकार्य	गृहकार्य

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
अनेकों	अनेक	अवाज	आवाज़
स्वास्थय	स्वास्थ्य	पडौसी	पड़ोसी
अविष्कार	आविष्कार	ककशा	कक्षा
मच्छली	मछली	वापिस	वापस

वाक्य संबंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
मेरी दीदी बाजार गया है।	मेरी दीदी बाज़ार गई है।
सड़क में मत खेलो।	सड़क पर मत खेलो।
तुमको तुम्हारा काम कर देना चाहिए।	तुमको अपना काम कर लेना चाहिए।
मेरे माता जी आ रहे हैं।	मेरी माता जी आ रही हैं।
रोगी को धोकर फल दो।	फल धोकर रोगी को दो।
तुम्हारे से कोई काम नहीं होता।	तुमसे कोई काम नहीं होता।
मैं नहा करके खाना खाऊँगा।	मैं नहाकर खाना खाऊँगा।
वो लोगों को क्या चाहिए?	उन लोगों को क्या चाहिए?
तुम क्या करता है?	तुम क्या करते हो?
मैंने बोला।	मैंने कहा।
देखो, दाल में कोई पड़ा है।	देखो, दाल में कुछ पड़ा है।
मैंने तुमका काम कर दियू है।	मैंने तुम्हारा काम कर दिया है।
तुम कैसन बा हो।	तुम कैसे बात कर रहे हो।

अध्यापन संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को दो समूह में बाँटते हुए शुद्ध एवं अशुद्ध रूप से संवाद करवाते हुए इस विषय पर अनुभव प्रदान करें।

आइए, पुनरावृत्ति करें

- व्याकरण के नियमों का पालन करके अशुद्धि-शोधन किया जा सकता है।
- अशुद्धियाँ वचन, लिंग, विराम-चिह्न आदि के गलत प्रयोग से भी होती हैं।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) ग्यान और धुआँ शब्द में से शुद्ध शब्द बताइए।

(ख) 'दो ठंडे गिलास शरबत लाओ।' वाक्य का शुद्ध रूप बताइए।

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए वाक्यों में शुद्ध शब्द भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) गुरु पर्व पर .... निकाला जाता है। (जुलूस, जलूस)

(ख) अपनी पुत्री से मिलकर पिता का .... गदगद् हो गया। (हृदय, हिरदय)

(ग) उपवन में .... खिले हैं। (गूलाब, गुलाब)

(घ) मेरा .... बहुत अच्छा है। (इस्कूल, स्कूल)

(ङ) सात्विक बहुत .... लड़का है। (होसियार, होशियार)

2. दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए।

(क) ग्रहकार्य .... (ख) वीर्धाथी .... (ग) नम्स्ते ....

(घ) बजार .... (ङ) आर्शीवाद .... (च) बिमारी ....

3. सही शब्दों पर (○) बनाइए।

(क) जवाव जबाब जवाब

(ख) राष्टर	राश्टर	राष्ट्र

(ग) श्रीमति	श्रीमती	श्रिमति

(घ) रुपया	रूपआ	रूपया

(ङ) अविष्कार	अविश्कार	आविष्कार

सोचें-विचारें

Critical thinking

4. दी गई अशुद्ध पंक्तियों को शुद्ध करके पुनः लिखिए।

आज हमार इस्कूल को छुट्टी रही। माँ ने मोंको दुध लाइन को भइजा। वापौस आत सम्य दुध को बरतन गीर गयो और सआरा दूध फेल गई।

शुद्ध करके दुबारा लिखिए- ....

....

....

....

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

5. अपने मित्रों के साथ दिए गए जटिल उच्चारण वाले शब्दों (Tongue/ Twisters) को शुद्ध उच्चारण के साथ बोलिए तथा जल्दी-जल्दी बोलने का खेल खेलिए।

1. ऊँट ऊँचा, ऊँट की पीठ ऊँची,
   ऊँची पूँछ ऊँट की।

2. चंदा चमके चम-चम, चीखे चौकना चोर,
   चींटी चाटे चीनी चटोरी चीनी चोर।

प्रेरणादायक मूल्य

मानवीय गलतियों को स्वीकार करना भी मानवीय गुण है।

अध्याय 15

विराम-चिह्न
(Punctuation Marks)

पढ़िए और समझिए

क्या आपने इन चिह्नों को पहले कभी कहीं देखा है?

?	कौन, क्या, कब मैं बतलाऊँ, प्रश्नवाचक चिह्न मैं कहलाऊँ।	,	बीच-बीच में रुककर आऊँ, अल्प-विराम चिह्न कहलाऊँ।
!	वाक्य संबोधन मेरा काम, विस्मयसूचक मेरा नाम।	।	बातचीत पूर्ण कराऊँ, पूर्ण-विराम तभी कहलाऊँ।

उपरोक्त चित्रों में आपने देखा कि बातचीत के दौरान वाक्य में कुछ स्थानों पर थोड़ी देर के लिए रुकना पड़ा या कम समय के अंतराल में दो वाक्यों को बोलकर पूरा किया गया। जब हम भाषा के लिखित रूप में विशेष स्थानों पर रुकने का संकेत करने वाले चिह्नों का प्रयोग करते हैं, तो उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।

वाक्य का अर्थ समझने एवं वाक्य में रुकने का संकेत-चिह्न ही विराम-चिह्न कहलाता है।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कक्षा में चर्चा के दौरान कुछ विराम-चिह्नों का वाक्य में प्रयोग करना सिखाएँ।

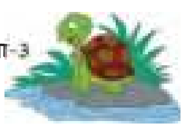

हिंदी भाषा में प्रयोग किए जाने वाले प्रमुख विराम-चिह्न इस प्रकार हैं-

1. पूर्ण विराम

वाक्य की समाप्ति करने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। यह खड़े डंडे की भाँति प्रतीत होता है।

उदाहरण:	*वाक्य*	*चिह्न*	*पूर्ण वाक्य*
	चिड़िया उड़ रही है	।	चिड़िया उड़ रही है।

आपने देखा कि वाक्य में 'चिड़िया उड़ रही है' के बाद पूर्ण विराम चिह्न (।) नहीं लगा। जिससे स्पष्ट हो रहा है कि वाक्य अभी समाप्त नहीं हुआ होगा। परंतु 'पूर्ण वाक्य' में वाक्य के अंत में विराम चिह्न (पूर्ण विराम-।) लगाकर वाक्य का अंत किया गया है।

2. अल्पविराम

जब हम वाक्यों में कुछ देर के लिए रुकते हैं तो वहाँ अल्प-विराम चिह्न (,) का प्रयोग किया जाता है। अल्प विराम का प्रयोग व्यक्तियों के नामों, दो वाक्यों आदि के बीच में किया जाता है।

उदाहरण:	*वाक्य*	*चिह्न*
	राम और सीता और लक्ष्मण वन को गए	(,)

वाक्य में तीनों नामों के बीच बार-बार और शब्द आ रहा है, साथ ही वाक्य के पीछे खत्म होने पर भी कोई संकेत सूचक चिह्न नहीं है। इसलिए वाक्य की शुद्धि और विराम-चिह्न का प्रयोग कुछ इस प्रकार होगा- राम, लक्ष्मण और सीता वन को गए।

3. प्रश्नवाचक

प्रश्न पूछने वाले वाक्यों में संकेत (इशारा) देने (करवाने) के लिए प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग अंत में किया जाता है। इन वाक्यों में कब, कहाँ, क्यों, कैसे आदि शब्द होते हैं। प्रश्नवाचक चिह्न है- (?)।

उदाहरण: तुम कौन हो?

क्या यह घर तुम्हारा है?

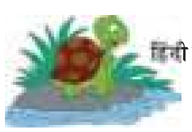

(4) विस्मयादिबोधक या विस्मयसूचक (संबोधन/परेशान/हैरान)

वाक्य में संबोधन, सुख, दु:ख, हैरान इत्यादि भावों को दर्शाने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे- शाबाश! तुमने बहुत अच्छा काम किया।
हे प्रभु! ये क्या हो गया?

आइए, पुनरावृति करें

- भाषा के लिखित रूप में विशेष स्थानों पर रुकना विराम-चिह्न कहलाता है।
- विराम-चिह्न वाक्यों के अर्थ समझने में सहायक होते हैं।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) विराम-चिह्न किसे कहते हैं?

(ख) पूर्ण विराम का प्रयोग क्यों किया जाता है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. सही मिलान कीजिए।

(क) अल्प विराम	(i) (।)
(ख) प्रश्नवाचक	(ii) (,)
(ग) विस्मयसूचक	(iii) (?)
(घ) पूर्ण विराम	(iv) (!)

2. दिए गए विराम-चिह्नों को पहचानिए और नाम लिखिए।

(क) (,) .... (ख) (!) ....

(ग) (?) .... (घ) (।) ....

3. दिए गए वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए।

(क) बच्चे पढ़ रहे हैं ......

(ख) अरे...... आप कब आए......

(ग) रमेश...... गीता...... महेश...... नरेश...... नीतू के घर गए......

(घ) आज घर पर कौन आया है......

सोचें-विचारें Critical thinking

4. दी गई लघु कहानी में सोच-विचार कर उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए।

एक दिन की बात है एक लड़के ने एक कुत्ता देखा लड़का कुत्ते को पकड़ने दौड़ा कुत्ता दौड़ते-दौड़ते एक जंगल में गया जंगल में कुत्ते को उसकी तरह दिखने वाले भेड़िए सियार लोमड़ी दिखाई दिए कुत्ते ने अपना सारा हाल बताते हुए मदद माँगी इस तरह कुत्ते ने अपनी जान लड़के से बचाई

खेल-खेल में Brain Storming Activity

5. एक बार तीन विराम-चिह्न सैर को गए। तीनों के बीच कुछ बातचीत हुई। पहचानिए किस विराम-चिह्न ने कौन सा संवाद कहा?

हमें यहाँ बैठकर आराम करना चाहिए।	अरे! यहाँ बहुत तेज़ धूप है।	तुम दोनों झगड़ क्यों रहे हो?

प्रेरणादायक मूल्य

जिस प्रकार प्रत्येक विराम-चिह्न का अपना महत्व होता है ठीक उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति का समाज में अपना स्थान व महत्व होता है। जिसके कारण वह समाज में गरिमापूर्ण जीवन जीते हैं।

अध्याय 16

संवाद-लेखन
(Dialogue Writing)

पढ़िए और समझिए

जब हम एक-दूसरे से बातचीत करते हैं, अपनी बात उनको समझाते हैं और उनकी बात स्वयं समझते हैं, तो बातचीत को जब हम लिखित रूप प्रदान करते हैं, तब यह संवाद-लेखन कहलाता है। संवाद के लिए कम-से-कम दो लोगों का होना आवश्यक होता है।

संवाद लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य बातें–

- संवाद रोचक और सरल होने चाहिए।
- वाक्य एक-दूसरे से जुड़े होने चाहिए।
- वाक्य छोटे और स्पष्ट होने चाहिए।
- भाषा पात्रों के अनुरूप होनी चाहिए।

दिए गए संवाद को पढ़िए-

रहीम और नदीम के मध्य हुआ संवाद-

रहीम : नदीम, क्या आज दोपहर में तुम्हारे पास थोड़ा वक्त है?

नदीम : हाँ, रहीम बताओ, कुछ काम है?

रहीम : मुझे अपने विज्ञान के परियोजना कार्य में तुम्हारी मदद चाहिए। क्या तुम मेरी सहायता करोगे?

नदीम : हाँ, हाँ क्यों नहीं। तुम तीन बजे मेरे घर आ जाना। हम दोनों मिलकर परियोजना कार्य पूरा कर लेंगे।

रहीम : धन्यवाद, नदीम। मैं तीन बजे आ जाऊँगा।

रेशमा और रागिनी के मध्य हुआ संवाद–

रेशमा : रागिनी कैसी हो?

रागिनी : मैं ठीक हूँ, आप कैसी हो?

रेशमा : हम सब भी ठीक हैं।

रागिनी : अगले हफ़्ते से क्रिसमस की छुट्टियाँ होने वाली हैं। मैं इस बार माता-पिता के साथ गोवा जा रही हूँ। विशेषतौर पर वहाँ का प्रसिद्ध गिरजाघर देखने।

रेशमा : अरे वाह! ये तो बहुत अच्छी खबर है। मैं भी इस बार छुट्टियों में दिल्ली का गुड़ियाघर घूमने जाऊँगी। बहुत दिनों से इसे देखने का मेरा मन है।

रागिनी : अच्छा! ये दिल्ली में कहाँ पर है? मैं भी कभी इसे देखने अवश्य जाऊँगी। हाँ, एक बात तो बताओ.... क्या हम वहाँ से गुड़िया खरीद भी सकते हैं?

रेशमा : अरे नहीं! रागिनी, ये तो एक संग्रहालय है। यहाँ देश-विदेश की सुंदर-सुंदर गुड़िया रखी गई हैं और यह गुड़ियाघर दिल्ली में आई.टी.ओ. पर है।

रागिनी : धन्यवाद रेशमा, अगली छुट्टियों में मैं भी अपने भैया-भाभी के साथ इसे देखने जाऊँगी।

अध्यापन संकेत — शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को संवाद-लेखन शैली से अवगत कराते हुए इसके महत्वपूर्ण तत्वों को बताएँ।

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य

Writing Skills

दिए गए चित्र को देखिए, समझिए और संवाद लिखिए।

अध्याय 17

पत्र–लेखन
(Letter Writing)

पढ़िए और समझिए

अपने विचारों, भावों एवं सुझावों को जब हम लिखित रूप में पत्र के माध्यम से प्रकट करते हैं, तो वह पत्र–लेखन कहलाता है। पत्र–लेखन एक प्राचीन कला है। आधुनिक युग में मोबाइल व इंटरनेट माध्यम द्वारा देश–विदेश तक पहुँचना आसान हो गया है। पत्र–लेखन का जितना महत्व इंटरनेट द्वारा बढ़ता जा रहा है उतना ही यह माध्यम सरल व सहज हो गया है।

पत्र लिखते समय दी गई बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए–

1. पत्र की भाषा स्पष्ट व सरल होनी चाहिए।
2. पत्र में पता सही स्थान पर लिखा जाना चाहिए।
3. पत्र अधिक लंबा न हो।
4. वाक्य छोटे–छोटे होने चाहिए।

पत्र के प्रकार

पत्र दो प्रकार के होते हैं–

1. औपचारिक 2. अनौपचारिक

1. **औपचारिक पत्र–** वे पत्र जिन्हें हम सरकारी एवं गैर–सरकारी संस्थानों को लिखते हैं; जैसे- प्रधानाचार्य, तहसील कार्यालय इत्यादि।
2. **अनौपचारिक पत्र–** ये पत्र सगे–संबंधियों एवं मित्रों को लिखे जाते हैं।

अध्यापन संकेत
बच्चों को बताएँ कि प्राचीन काल में पत्र किस प्रकार लिखे जाते थे एवं आधुनिक युग के पत्रों में क्या परिवर्तन आया है? इसके क्या–क्या लाभ हुए हैं?

आइए, पत्र लिखना सीखें–

औपचारिक-पत्र

पत्र लिखने का तरीका

ए–56 कॉलोनी (पत्र पाने वाले का पता)

दिनांक ....

सेवा में, (पत्र पाने वाले का पद, नाम एवं पता)

प्रधानाचार्य,

के.वी. जेम्स इंटरनेशनल स्कूल,

नई दिल्ली।

विषय : विवाह में जाने हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदय (संबोधन)

(अपना परिचय) ....

....

(विषय विस्तार) ....

....

....

....

धन्यवाद (समापन)

आपका आज्ञाकारी छात्र

(पत्र भेजने वाले का नाम) ....

कक्षा ....

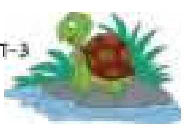

उदाहरणार्थ पत्र :

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी
के.वी. जेम्स इंटरनेशनल स्कूल,
नई दिल्ली।

विषय : विवाह में जाने हेतु प्रार्थना-पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेरे बड़े भाई का विवाह दिनांक ...... को होना निश्चित हुआ है। बारात आगरा जाएगी। जिसके कारण मैं विद्यालय में उपस्थित नहीं हो सकूँगा। अतः आपसे अनुरोध है कि मुझे दो दिन का अवकाश देने का कष्ट करें।

सधन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य/शिष्या

नाम : ....

कक्षा : ....

अनुक्रमांक: ....

अनौपचारिक-पत्र (पारिवारिक-पत्र)

आइए, इस पत्र को लिखने का तरीका जानें-

के-46
28 नवंबर, 20 ....
रामानंद कॉलोनी
जय सिंह मार्ग,
मेरठ, उत्तर प्रदेश।

प्रिय अनुज, (संबोधन)

सस्नेह ! (अभिवादन)

(विषय विस्तार) ....

....

....

....

चाचा, चाची को सादर प्रणाम और भाई–बहन को प्यार।

समापन

तुम्हारा मित्र (संबंध)

नाम : ....

उदाहरणार्थ पत्र :

के–46,

28 नवंबर, 20......

रामानंद कॉलोनी, जय सिंह मार्ग,

मेरठ, उत्तर प्रदेश।

प्रिय अनुज,

सस्नेह!

यहाँ सब कुशल मंगल है। आशा करता हूँ तुम भी वहाँ कुशलता से होंगे। आने वाले 23 मार्च को तुम्हारा जन्मदिन आ रहा है, जिसके उपलक्ष्य में मैं तुम्हें एक घड़ी भेंट कर रहा हूँ। उम्मीद करता हूँ, यह उपहार तुम्हें पसंद आएगा। माँ–पिताजी की ओर से तुम्हें ढेर सारा प्यार और आशीष।

तुम्हारा भाई,

सोहन

अध्यापन संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को पत्र लिखने के तरीके को विस्तारपूर्वक समझाएँ।

आइए, पुनरावृति करें

- कम शब्दों में अपने भावों, विचारों को व्यक्त करना ही पत्र-लेखन की कला है।
- पत्र के दो प्रकार हैं- औपचारिक एवं अनौपचारिक।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) पत्र-लेखन से आप क्या समझते हैं?

(ख) प्राचीन युग से आधुनिक युग में पत्र-लेखन किस माध्यम से सरल बन गया है?

(ग) पत्र कितनी तरह के होते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए विषयों पर पत्र लिखिए।

(क) पिता जी को अपना परीक्षाफल बताते हुए पत्र लिखिए।

(ख) प्रधानाचार्या को स्कूल छोड़ने हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए।

(ग) दादा जी को जन्मदिन की मुबारकबाद देने हेतु पत्र लिखिए।

(घ) अंतर सदनीय-अंताक्षरी प्रतियोगिता आयोजित करने की अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

प्रेरणादायक मूल्य

संबंधों में मधुरता लाना अच्छे व्यक्तित्व का परिचायक है।

अध्याय 18

चित्र-वर्णन
(Picture Description)

पढ़िए और समझिए

चित्रों को देखकर उसके बारे में मन में आ रहे विचार एवं भावों की अभिव्यक्ति ही चित्र-वर्णन कहलाता है। चित्र वर्णन किसी भी प्राणी, वस्तु, कार्य आदि से संबंधित हो सकता है।

उपरोक्त चित्र बिल्ली के तीन बच्चों का है जो एक चूहे को पकड़ने के लिए अथक प्रयास करते हैं। चूहे को पकड़ने के लिए बिल्ली का एक बच्चा रसोई की स्लैब पर दौड़ रहा है। दूसरा रसोई में रखे आटे के ड्रम पर चढ़ गया है। तीसरा पानी के टब में गिर गया है। जबकि चूहा रसोई में लगे धुआँ निकालने के पाइप की ओर भागता हुआ नज़र आ रहा है।

अध्यापन संकेत

बच्चों को चित्र दिखाते हुए कक्षा में चर्चा करें कि चित्र में उन्हें क्या समझ आ रहा है? चित्र में क्या हो रहा है?

ध्यान रहे– सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित हो।

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य

Writing Skills

दिए गए चित्रों में क्या-क्या हो रहा है? कक्षा में चर्चा करें।

भेड़िया और मेमना

राजा पद के लिए जंगल में चुनाव

प्रेरणादायक मूल्य

चित्र एवं चरित्र दोनों को ही कलात्मक ढंग से अभिव्यक्त किया जा सकता है।

अध्याय 19

कहानी-लेखन
(Story Writing)

पढ़िए और समझिए

कहानी सुनना और सुनाना भारतीय इतिहास की परंपरा रही है। कहानियाँ सुनना व सुनाना न केवल बच्चों को अपितु बड़ों को भी बहुत पसंद आता है। कहानी लिखना, कहानी सुनाने का एक अभिन्न अंग है। कहानी लिखना, पढ़ना और सुनना महत्वपूर्ण कलाएँ हैं। ये हमारी संस्कृति का संरक्षण करने में सहायक सिद्ध होती हैं, इसलिए हमें इनका अभ्यास मौखिक एवं लिखित रूप से करते रहना चाहिए।

कहानी-लेखन के समय ध्यान रखने योग्य बातें–

- कहानी का उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए।
- कहानी मनोरंजक एवं रोचक होनी चाहिए।
- कहानी की भाषा सरल, स्पष्ट और छोटे वाक्यों में होनी चाहिए।
- कहानी के चित्र, घटनाओं आदि के क्रम का ध्यान अवश्य रखना चाहिए।
- कहानी के अंत में प्रेरणादायक मूल्य अवश्य लिखना चाहिए।

दिए गए उदाहरण को देखिए–

आलसी टिड्डा

एक बिल में एक चींटी और बिल के नजदीक घास में एक टिड्डा रहता था। चींटी बहुत मेहनती और टिड्डा बहुत आलसी था। वह पूरे दिन उछल-कूद करता,

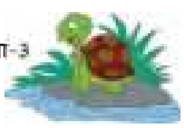

दूसरे जीवों का मज़ाक उड़ाता था। उधर, चींटी आने वाले समय में अपनी जीविका चलाने हेतु मेहनत करके खाने का सामान इकट्ठा करती और बिल में जमा करती। चींटी जब भी टिड्डे को सामान इकट्ठा करने को कहती तो वो बहाना बना देता।

अब बरसात का मौसम आ गया। कई दिनों तक लगातार बरसात होती रही। चींटी के पास रखा खाने का सामान भले ही गीला हो चुका था मगर वह अभी भी खाने लायक था, परंतु टिड्डे के पास कुछ न था। वह चींटी के पास आया और बोला– "बहन चींटी! मुझसे अब भूख के मारे नहीं रहा जा रहा। तुम मुझे कुछ खाने का सामान दे दो। मैं बरसात रुकने पर तुम्हें वापस लाकर सामान दे दूँगा।

टिड्डे की बात सुनकर चींटी को बहुत गुस्सा आया। वह बोली– "मैंने तुम्हें कितनी बार भविष्य को लेकर समझाया पर तुमने कभी कुछ नहीं किया।" टिड्डे ने चींटी से मदद की पुकार लगाई। चींटी ने टिड्डे से कहा– "यदि तुम मुझे भरोसा दिलाओ कि तुम फिर कभी आलस न करके अपने भविष्य और वर्तमान की स्थितियों को पहचानकर अपनी जीविका जुटाओगे तभी मैं तुम्हारी मदद करूँगी।"

टिड्डे ने चींटी को विश्वास दिलवाते हुए खाना खाया और चींटी को धन्यवाद दिया।

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य — Writing Skills

दिए गए चित्रों को देखिए और संकेत बिंदुओं के आधार पर कहानी लिखिए।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को चित्र दिखाकर उसमें चित्रित घटनाओं के बारे में पूछें और उसे आधार बनाकर कहानी लेखन हेतु प्रेरित करें।

संकेत बिंदु : चिड़िया, चार बच्चे, खेत, घोंसला, फ़सल का पकना, किसान, बेटा, पड़ोसी, काटना, डर, सारी बात करना, शाम, घर, मित्र, उड़ जाना

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

अध्याय 20

अनुच्छेद-लेखन
(Paragraph Writing)

पढ़िए और समझिए

अनुच्छेद लेखन निबंध लेखन का ही लघु रूप है। जिसमें हम विचारों या भावों को कम शब्दों में व्यक्त करते हुए वाक्यों के बीच परस्पर संबंध स्थापित करते हैं। किसी वस्तु या घटना से संबंधित मन में उत्पन्न होने वाले विचारों को व्यवस्थित रूप से लिखना अनुच्छेद-लेखन कहलाता है।

उदाहरणार्थ अनुच्छेद –

मेरी शिक्षिका (टीचर)

मेरी शिक्षिका का नाम श्रीमती रेनुका है। वे एक शिक्षिका हैं। वे बहुत सुंदर, सरल और सुशील महिला हैं। उनकी जीवनचर्या बहुत व्यस्त रहती है। अपनी नौकरी के साथ-साथ वे हम सबकी देखभाल भी बहुत अच्छी तरह से करती हैं। वे पढ़ाने के साथ अन्य गतिविधियों में भी भाग लेती हैं। हम सबका सर्वांगीण विकास करना वह अपने जीवन का उद्देश्य मानती हैं। वह विद्यालय समय से पहुँचती हैं। विद्यालय में मेरी शिक्षिका का बहुत सम्मान है। वे हमारी हर समस्या का समाधान तुरंत ही कर देती हैं। मैं उन्हें बहुत प्यार करती हूँ।

हमारा जैक

हमारे घर में एक पालतू कुत्ता है। हमने प्यार से उसका नाम जैक रखा है। यह सफ़ेद रंग का सेंट बर्नाड प्रजाति का है। इसका कद बहुत ऊँचा है। हर कोई उससे

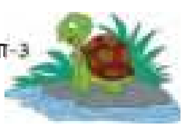

डरता है। हमारे घर आने वाला हर व्यक्ति उसकी गुर्राहट से डरकर सहमकर दरवाज़े पर ही खड़ा हो जाता है। वह भोजन में केवल दूध और डबलरोटी खाता है। हम दिन में दो-तीन बार उसे बाहर घुमाने ले जाते हैं। उसके डर की वजह से चोर-बदमाश तो हमारे घर की तरफ रुख ही नहीं करते। हम सभी उससे बहुत प्यार करते हैं। हम जब भी बाहर से आते हैं, वह प्रसन्न होकर दुम हिलाने लगता है। वह हम सबके बीच रहकर प्रसन्न रहता है।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को अनुच्छेद लिखने हेतु उचित विषयों का चयन करने में सहायता करें एवं अनुच्छेद-लेखन शैली से भी अवगत कराएँ।

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य

Writing Skills

दिए गए विषयों पर अनुच्छेद लिखिए।

(क) हमारा भारत देश

....

....

....

....

....

(ख) मेरा प्रिय खेल

....

....

....

....

....

अध्याय 21

अपठित–गद्यांश
(Unseen Passage)

पढ़िए और समझिए

अपठित का अर्थ है– जो पहले पढ़ा न गया हो। गद्यांश का अर्थ है– गद्य का अंश या हिस्सा। इस तरह दोनों शब्दों के मेल से अपठित गद्यांश बनता है अर्थात् गद्य का वह अंश जिसे पहले न पढ़ा गया हो।

दिए गए गद्यांश को पढ़िए, समझिए और निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. अमन एक अनुशासन प्रिय बालक था। वह अपनी कक्षा में प्रथम आता था। वह रोज़ विद्यालय समय पर आता था। उसे अनुशासन बहुत प्रिय था। एक दिन वह विद्यालय देरी से पहुँचा। शिक्षक के कारण पूछने पर उसने बताया कि वह किसी की सहायता करने में लग गया जिस कारण समय का ध्यान नहीं रहा। शिक्षक ने अमन को शाबाशी दी और उसके इस कार्य की सराहना कक्षा में की।

   प्रश्न– अमन विद्यालय कब आता था?

   उत्तर–अमन विद्यालय रोज़ समय पर आता था।

   प्रश्न– शिक्षक ने अमन को शाबाशी क्यों दी?

   उत्तर–क्योंकि अमन ने किसी की सहायता की थी।

2. एक चरवाहा अपने तीन पशुओं के साथ नदी पार कर अपने गाँव जा रहा था। नदी पार करते समय उसके पशु नदी में गिर गए। इससे वह उदास हो गया और वह नदी के किनारे बैठकर ज़ोर–ज़ोर से रोने लगा। उसकी आवाज़ सुनकर जलदेवता

बाहर आए और उसे सोने के जीव देकर बोले, 'उदास मत हो।' परंतु चरवाहे ने वह जीव लेने से इनकार कर दिया और कहा कि यह जीव उसके नहीं हैं।

फिर जलदेव ने उसे चाँदी के जीव देना चाहा। इस बार भी चरवाहे ने जीव लेने से मना कर दिया। अब जलदेव ने उसे मिट्टी के जीव दिए। चरवाहे ने उसे भी नहीं लिया। जलदेव ने चरवाहे की ईमानदारी पर प्रसन्न होकर असली पशुओं को उसे लौटा दिया। यह देखकर चरवाहा खुश हुआ और उसने जलदेव को प्रणाम कर धन्यवाद दिया।

प्रश्न– गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

उत्तर– चरवाहे की ईमानदारी।

प्रश्न– जलदेव ने चरवाहे को क्या देना चाहा?

उत्तर– जलदेव ने चरवाहे को सोने, चाँदी और मिट्टी के जीव देना चाहा?

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कक्षा में अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों का उत्तर लिखने के सही तरीके बताएँ।

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य Writing Skills

दिए गए गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) पेड़–पौधे हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। इनके बिना हमारा जीवन संभव नहीं, क्योंकि ये ही हमें साँस लेने के लिए ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। हमारे जीवन की सभी आवश्यक वस्तुएँ; जैसे– फल–फूल, अन्न, सब्ज़ियाँ, कपास, लकड़ी, रबड़ आदि इन्हीं से प्राप्त होती हैं। ये वातावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाते हैं, भूमि का कटाव रोकते हैं ताकि नदियाँ सुंदर रूप में बह सकें। ये वर्षा में भी सहायक होते हैं। इनसे कई प्रकार की जड़ी–बूटियाँ प्राप्त होती हैं, जो अनेक बीमारियों के इलाज में काम आती हैं। ये प्रदूषण को भी कम करते हैं। हमें अधिक–से–अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए।

प्रश्न : गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

उत्तर : ....

प्रश्न : नदियाँ सुंदर रूप में कैसे बहती हैं?

उत्तर : ....

....

प्रश्न : जड़ी-बूटियाँ कहाँ से प्राप्त होती हैं तथा वे किस काम आती हैं?

उत्तर : ....

....

(ख) यह एक सुंदर बगीचा है। इसमें बड़े-बड़े पेड़ हैं। पेड़ों पर पीले-पीले आम लगे हुए हैं। कुछ पेड़ों पर हरे आम भी दिखाई दे रहे हैं। पेड़ पर एक भूरी चिड़िया बैठी हुई है। एक ओर लाल गुलाब और दूसरी ओर रंग-बिरंगे फूल खिले हैं। तभी सुहान वहाँ आया और फूल तोड़ने लगा। देखते-ही-देखते उसने बहुत-से फूल तोड़ लिए। अहाना भागकर गई और उसने सुहान को फूल तोड़ने के लिए मना किया, परंतु सुहान ने उसे धक्का देकर गिरा दिया। यह देखकर बगीचे का माली दौड़कर आया और उसने पहले तो अहाना को उठाया और फिर सुहान को डाँटते हुए कहा कि पौधों को बेवजह नहीं तोड़ना चाहिए। उनसे ही तो जीवन संभव होता है। तब सुहान को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने अहाना और सभी से हाथ जोड़कर माफ़ी माँगी।

प्रश्न : कौन आकर फूलों को तोड़ रहा था?

उत्तर : ....

....

प्रश्न : अहाना ने सुहान से क्या कहा?

उत्तर : ....

....

प्रश्न : माली ने क्या समझाया?

उत्तर : ....

....

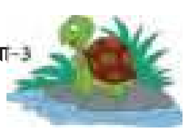

अध्याय 22

गिनती 21 से 50 तक
(Counting)

पढ़िए और समझिए

अंग्रेज़ी अंक	हिंदी शब्द	हिंदी अंक	अंग्रेज़ी अंक	हिंदी शब्द	हिंदी अंक	अंग्रेज़ी अंक	हिंदी शब्द	हिंदी अंक
21	इक्कीस	२१	31	इकतीस	३१	41	इकतालीस	४१
22	बाईस	२२	32	बत्तीस	३२	42	बयालीस	४२
23	तेईस	२३	33	तैंतीस	३३	43	तैंतालीस	४३
24	चौबीस	२४	34	चौंतीस	३४	44	चवालीस	४४
25	पच्चीस	२५	35	पैंतीस	३५	45	पैंतालीस	४५
26	छब्बीस	२६	36	छत्तीस	३६	46	छियालीस	४६
27	सत्ताईस	२७	37	सैंतीस	३७	47	सैंतालीस	४७
28	अट्ठाईस	२८	38	अड़तीस	३८	48	अड़तालीस	४८
29	उनतीस	२९	39	उनतालीस	३९	49	उनचास	४९
30	तीस	३०	40	चालीस	४०	50	पचास	५०

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में उपस्थित बच्चों से गिनती कराएँ साथ ही गिनती किस प्रकार उपयोगी है? यह भी समझाएँ।

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दी गई संख्याओं को हिंदी शब्दों एवं अंग्रेज़ी अंकों में लिखिए।

(क) ३९ ....

(ख) ४५ ....

(ग) ४९ ....

2. रिक्त स्थानों में उचित संख्या लिखिए–

(क) एक दिन में .... घंटे होते हैं।

(ख) हिंदी भाषा में कुल .... स्वर होते हैं।

(ग) वर्ष में .... महीने होते हैं।

(घ) सप्ताह में .... दिन होते हैं।

सोचें-विचारें

Critical thinking

3. प्रत्येक माह में दिनों की संख्या पर चर्चा कीजिए तथा एक वार्षिक कैलेंडर की सूची तैयार कीजिए।

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

4. दी गई वर्ग-पहेली में से संख्या शब्द निकालिए–

ऊपर से नीचे	बाएँ से दाएँ

ए	क	बी	द	नौ	२	६
चा	ली	स	स	ङ	स	पं
२	५	सो	ल	ह	ब	द्र
२	बा	ई	स	ल	च	ह
६	२	२	या	२	ती	स
९	९	४	फ	ब	न	भ
आ	३	य	२	दो	ल	व
श	ष	उ	¬	नी	स	स

प्रेरणादायक मूल्य

जैसे एक-एक करके अनेक बनते हैं इसी तरह एक-एक व्यक्ति समाज का अंग बनता है।

स्वमूल्यांकन पत्र-1

नाम : .... **कक्षा :** .... **अनुक्रमांक :** ....

1. दिए गए खाली स्थान को भरिए।

(क) हमारे देश की राजभाषा .... है।

(ख) वचन के दो भेद होते हैं, ... और ....।

(ग) अंग्रेज़ी भाषा की लिपि .... है।

(घ) गायक का स्त्रीलिंग शब्द है ....।

(ङ) वर्णों का निश्चित क्रम .... कहलाता है।

2. दिए गए वर्णों में रिक्त स्थान पर मात्रा लगाकर शब्द को पूर्ण कीजिए एवं लिखिए।

(क) स र ज .... (ख) ख र ग श ....

(ग) क छ अ .... (घ) प न ....

(ङ) अ क श .... (च) ह र य ल ....

3. दिए गए शब्दों पर अनुस्वार (ं) या अनुनासिक (ँ) लगाकर उचित शब्द बनाइए।

पखा हस चाद जगल बदर आख

4. दिए गए वाक्यों में से संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए।

(क) सड़क पर मत खेलो। ....

(ख) फल धोकर खाओ। ....

(ग) माली ने पौधों को सींचा। ....

(घ) लड़की अपने घर जाती है। ....

(ङ) फल बहुत खट्टे-मीठे हैं। ....

5. दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए।

(क) चूहा – .... (ख) माता – ....

(ग) चाबी – .... (घ) लड़का – ....

(ङ) कुर्सी – .... (च) लता – ....

6. दिए गए शब्दों के पर्यायवाची लिखिए।

नदी	–	....	संसार	–	....
किताब	–	....	सुबह	–	....
कपड़ा	–	....	पहाड़	–	....
महिला	–	....	धरती	–	....

7. दिए गए वाक्यों में से संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं वचन छाँटकर दी गई सूची में भरिए।

(क) उन सफ़ेद फूलों पर तितली बैठी है।

संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण	वचन
....	....	....	....

(ख) एक आम का पेड़ लगाओ, कई आम पाओ।

संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण	वचन
....	....	....	....

(ग) यह मीतू की नीली कमीज़ें हैं।

संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण	वचन
....	....	....	....

8. दिए गए वाक्यों में से क्रिया शब्द छाँटकर लिखिए।

(क) हमने खीर खाई। ....

(ख) मोहन कुर्सी पर बैठा है। ....

(ग) वहाँ कौन सो रहा है? ....

(घ) सूरज निकल रहा है। ....

9. कविता पढ़िए और उसमें आए सर्वनाम शब्दों पर (○) गोला बनाइए।

एक गिलहरी एक पेड़ पर,
बना रही है अपना घर।
देखभाल कर उसने पाया,
खाली है उसका कोटर।।

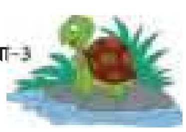

स्वमूल्यांकन पत्र-2

नाम : .... कक्षा : .... अनुक्रमांक : ....

1. दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए।

(क) जो किसी से न डरे – ....

(ख) पुस्तकें रखी जाती हैं – ....

(ग) अपने देश की वस्तु – ....

(घ) जो कभी न मरे – ....

(ङ) जो कभी बूढ़ा न हो – ....

2. दिए गए शब्दों में से विलोम शब्दों के जोड़े बनाइए और लिखिए।

प्रश्न
हार मौखिक
अँधेरा नया विष
जीत लिखित उजाला
अमृत उत्तर
पुराना

विलोम शब्द		
....	×	....
....	×	....
....	×	....
....	×	....
....	×	....
....	×	....

3. दिए गए वाक्यों की वर्तनी शुद्ध कीजिए और लिखिए।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
(क) फल पेड़ पर से गिर गया।	....
(ख) कोई फलवाले को भेज दो।	....
(ग) अमित, देखो! क्या खड़े हैं।	....
(घ) मुझे पड़ना है।	....
(ङ) वह छत में खेल रही है।	....

4. दिए गए हिंदी अंकों को रोमन अंकों में लिखिए।

(क) १० .... (ख) ३७ .... (ग) ४५ ....

(घ) २२ .... (ङ) १९ .... (च) ५० ....

5. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

मेरा प्रिय खेल *अथवा* मेरी प्रिय ऋतु

6. दिए गए विषयों में किसी एक विषय पर पत्र लिखिए।

अपनी प्रधानाचार्या जी को ज़रूरी कार्य हेतु अवकाश–पत्र लिखिए।

अथवा

माता–पिता को उनकी शादी की सालगिरह हेतु बधाई–पत्र लिखिए।

7. दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

(क) घी के दिए जलाना ....

(ख) कान पर जूँ न रेंगना ....

(ग) फूला न समाना ....

(घ) कलाई खोलना ....

(ङ) आँखों के आगे अँधेरा छाना ....

8. दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लिखिए।

पायल : ....

सोनू : ....

पायल : ....

सोनू : ....

पायल : ....

सोनू : ....